वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 135 | मंगलवार 12 सितम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री से मिला विभिन्न समाजों का प्रतिनिधिमण्डल

राजस्थान राज्य सरदार पटेल बोर्ड बनाने पर दिया धन्यवाद

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर पाटीदार, पटेल, आंजना, डांगी पटेल सहित विभिन्न समाजों के प्रतिनिधिमण्डल ने मुलाकात की। प्रतिनिधिमण्डल ने राजस्थान राज्य सरदार पटेल बोर्ड के गठन के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान गहलोत ने कहा कि बोर्ड के जरिए पाटीदार, पटेल, आंजना, डांगी पटेल सहित विभिन्न समाजों के उत्थान और विकास का कार्य किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने देश की एकता और अखण्डता के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। गहलोत ने कहा कि उनकी सोच और विचारधारा का सम्मान करने के लिए राज्य सरकार ने 'राजस्थान राज्य सरदार पटेल बोर्ड' का गठन किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने जनहित और विकास की योजनाएं बनाने में इतिहास रचा है।

राजस्थान की योजनाओं को आधार बनाकर अन्य राज्य अपना घोषणा पत्र तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य का अधिकार, ओपीएस, 25 लाख का मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा जैसे बड़े फैसले देश में मिसाल हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पशुपालकों और किसानों के हित में कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। लम्पी रोग से मृत गायों के लिए पशुपालकों को प्रति गाय 40 हजार तक का मुआवजा दिया गया है। राज्य सरकार ने 5 वर्षों में गौशालाओं एवं नंदीशालाओं को 3 हजार करोड़ रुपए का अनुदान दिया है। पशुपालकों को दूध पर 5 रुपए प्रति लीटर अनुदान तथा प्रति परिवार दो दुधारू पशुओं का 40-40 हजार रुपए का बीमा निःशुल्क किया गया है। गहलोत ने कहा कि महंगाई राहत कैम्प से लोगों को महंगाई से राहत दी गई है। 500 रुपए में गैस सिलेण्डर, अन्नपूर्णा फूड पैकेट, 100 यूनिट फ्री घरेलू बिजली, 2000 यूनिट निःशुल्क कृषि बिजली तथा न्यूनतम 1 हजार रुपए मासिक सामाजिक सुरक्षा पेंशन मिलने से प्रदेशवासियों को बड़ी राहत मिली है। उन्होंने कहा कि पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) विभिन्न जिलों के लिए महत्वपूर्ण परियोजना है। राज्य सरकार लगातार केन्द्र सरकार से इसे राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देने की मांग कर रही है। साथ ही सरकार स्वयं के संसाधनों पर इसे आगे बढ़ा रही है। उन्होंने बताया कि शहरों की तरह ही अब गांवों में भी इंदिरा रसोई योजना शुरू की है। इसमें 8 रुपए में सम्मानपूर्वक पौष्टिक भोजन उपलब्ध करवाया जा रहा है। इस दौरान सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना, जल संसाधन मंत्री महेन्द्रजीत सिंह मालवीय, पूर्व शिक्षा राज्यमंत्री गोविन्द सिंह डोटासरा, विधायक गणेश घोघरा, रामलाल मीणा, समाजसेवी दिनेश खोडनिया, प्रदेशाध्यक्ष पाटीदार समाज शिवलाल पाटीदार सहित विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि एवं लोग उपस्थित रहे।

कांग्रेस हर विधानसभा क्षेत्र में करेगी लाभार्थी सम्मेलन

जयपुर. कासं

ईआरसीपी को बड़ा चुनावी मुद्दा बनाने 13 जिलों में 5 दिन की यात्रा निकालेगी

कांग्रेस विधानसभा चुनावों में ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट को बड़ा चुनावी मुद्दा बनाने की तैयारी कर रही हैं। कांग्रेस कैंपेन कमेटी की बैठक में चुनाव अभियान का रोड मैप तय किया गया है। टिकटों से पहले और टिकटों की घोषणा के बाद अलग अलग कैंपेन चलाने का फैसला किया है। कांग्रेस वॉर रूम मे कैंपेन कमेटी की बैठक में यह तय हुआ है कि ईआरसीपी को बड़ा चुनावी मुद्दा बनाया जाए। इसके लिए ईआरसीपी वाले 13 जिलों में पांच दिन की यात्रा निकालने का फैसला किया गया है। सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में लाभार्थी सम्मेलन करके योजनाओं के बूते सियासी फायदा उठाने की रणनीति भी बनाई है। ईआरसीपी वाले जिलों में अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, दौसा, जयपुर, अजमेर, टोंक, बूंदी, कोटा, बारां और झालावाड़ शामिल हैं।

डोटासरा बोले- ईआरसीपी पर यात्रा निकालकर केंद्र को एक्सपोज करेंगे

कैंपेन कमेटी की बैठक के बाद कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि कैंपेन कमेटी की बैठक में सबकी राय जानी है। सब एक रोड मैप बनाएंगे और हम जल्दी एक-दो

दिन में हमारी कैंपेनिंग की घोषणा करेंगे। ईआरसीपी के 13 जिलों में हम इसी महीने पांच दिन की यात्रा निकालेंगे और इन 13 जिलों के लोगों को बताएंगे। केंद्र को मजबूर करेंगे की नहर हमारा हक है लेकर रहेंगे। ईआरसीपी के लिए के लिए हमारी सरकार ने बजट दिया है, इसके कामों का शिलान्यास भी हम करेंगे। हम बीजेपी और केंद्र सरकार को एक्सपोज करेंगे की वसुंधरा राजे के राज में बनाए ईआरसीपी प्रोजेक्ट को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा नहीं दिया गया। डोटासरा ने कहा- लाभार्थियों का भी एक बहुत बड़ा सम्मेलन पूरे प्रदेश में हर विधानसभा क्षेत्र में करने पर चर्चा हुई है। हर विधानसभा क्षेत्र में लाभार्थी सम्मेलन किए जाएंगे, उसके लिए कार्यक्रम तक किए जाएंगे। कुछ सम्मेलनों में बड़े नेता जाएंगे।

इस बार आक्रामक होगा कांग्रेस का चुनाव अभियान

कांग्रेस का चुनाव अभियान और प्रचार का तरीका इस बार आक्रामक होगा। चुनाव अभियान को प्रोफेशनल एजेंसी की मदद से धारदार और आक्रामक बनाने की रणनीति पर चर्चा हुई है। केंद्र सरकार को घेरने वाले मुद्दे छांटकर जवाबी हमला करने की रणनीति तैयार की गई है। कैंपेन कमेटी की बैठक में मौजूद नेताओं ने इस बात पर राय दी कि योजनाओं के प्रचार प्रचार के अलावा केंद्र सरकार और बीजेपी की नीतियों पर धारदार हमले किए जाने चाहिए। कांग्रेस लाभार्थी सम्मेलनों के जरिए चुनाव से ठीक पहले योजनाओं के दम पर जनता के बीच पर्सेप्शन बनाना चाहती है। बीजेपी भी केंद्र की योजनाओं के लाभार्थियों के सम्मेलन कर रही है।

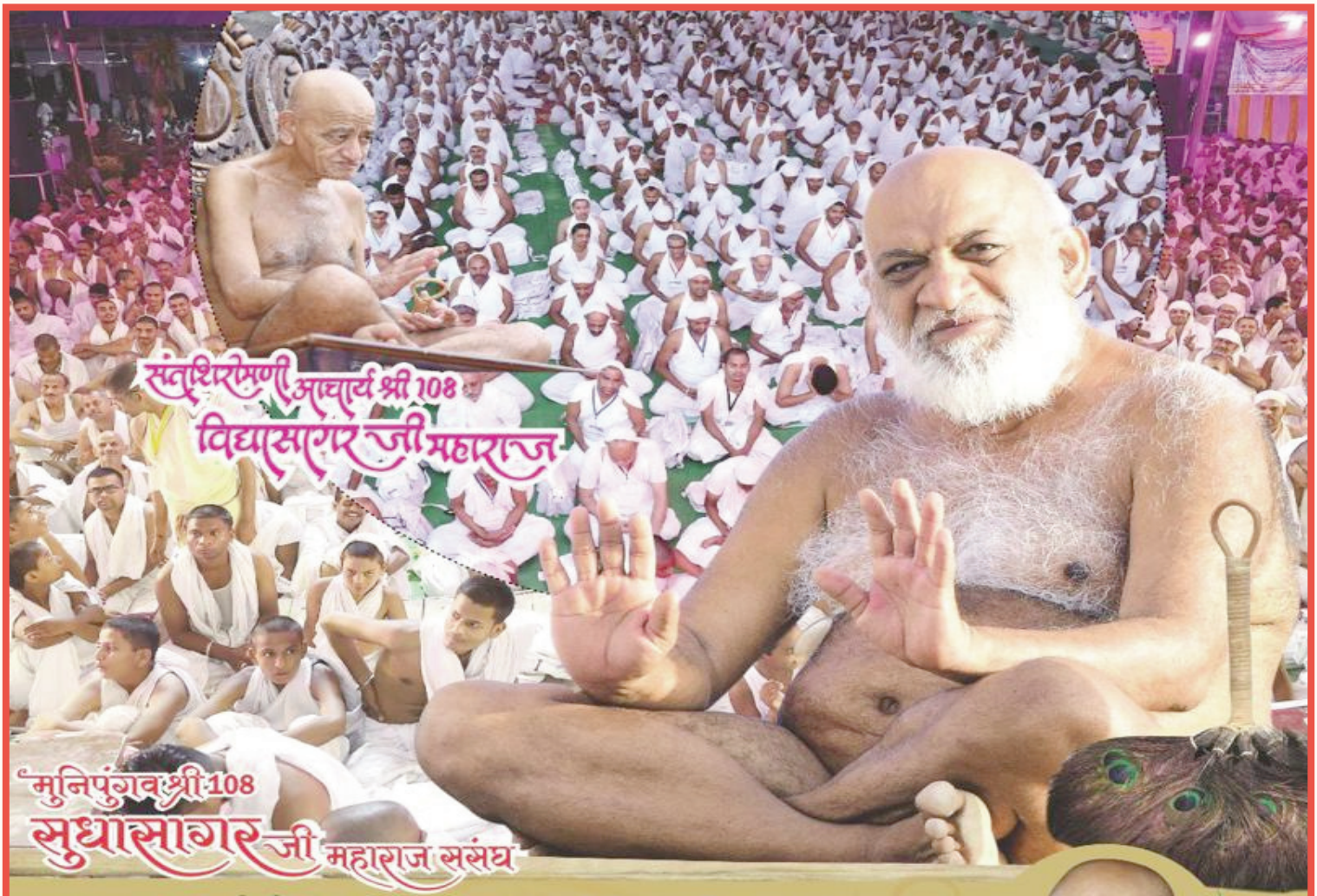

श्रावक संस्कार शिविरों के जनक परम पूज्य तीर्थचक्रवर्ती जगतपूज्य
निर्यापक श्रमण मुनिपुंगवश्री 108 सुधासागर जी महाराज
क्षुल्लक गौरव श्री 105 गंभीर सागर जी महाराज
के मंगल सानिध्य में आगरा की पुण्य धरा पर

30 वां श्रावक शिविर संस्कार

आगरा–दिनांक 19 से 29 सितम्बर 2023 तक

– शिविर आयोजक स्थल–
श्री महावीर दिगम्बर जैन इण्टर कॉलेज परिसर, हरीपर्वत, आगरा (उ.प्र.)

शिविर पुण्यार्जक

श्रावक श्रेष्ठी श्री निर्मल-उर्मिला, वीरेंद्र-उषा रेखा
रजत-आयुषी, रौनक-अदिति,
विभोर विन्नी हर्षिल द्रव्या जियांशी मोठ्या परिवार

श्रावक श्रेष्ठी श्री हीरालाल-वीना,
दिवाय-कोमल, उत्कर्ष दिविषा काव्या
अर्हम बैनाडा परिवार

श्रावक श्रेष्ठी श्री राजेश-रजनी,
निखिल-पूजा, शोभित-आरती,
कनिष्का हनीशा, आध्या सेठी परिवार

श्रावक संस्कार शिविर

निर्देशक
हुकम जैन 'काका'
94141-84618

निर्देशक
दिनेश गंगवाल
93145-07802

सुधा अमृत वर्षायोग–2023, आगरा

जगत पूज्य निर्यापक श्रमण मुनिपुंगवश्री 108 सुधासागर जी महाराज का
41वां मुनि दीक्षा दिवस समारोह अश्विन वदी तृतीया
दिनांक 01 अक्टूबर 2023 को दोपहर 12:15 से मनाया जायेगा।

शिविर आयोजक:- श्री दिगम्बर जैन धर्म प्रभावना समिति, आगरा (उ.प्र.)

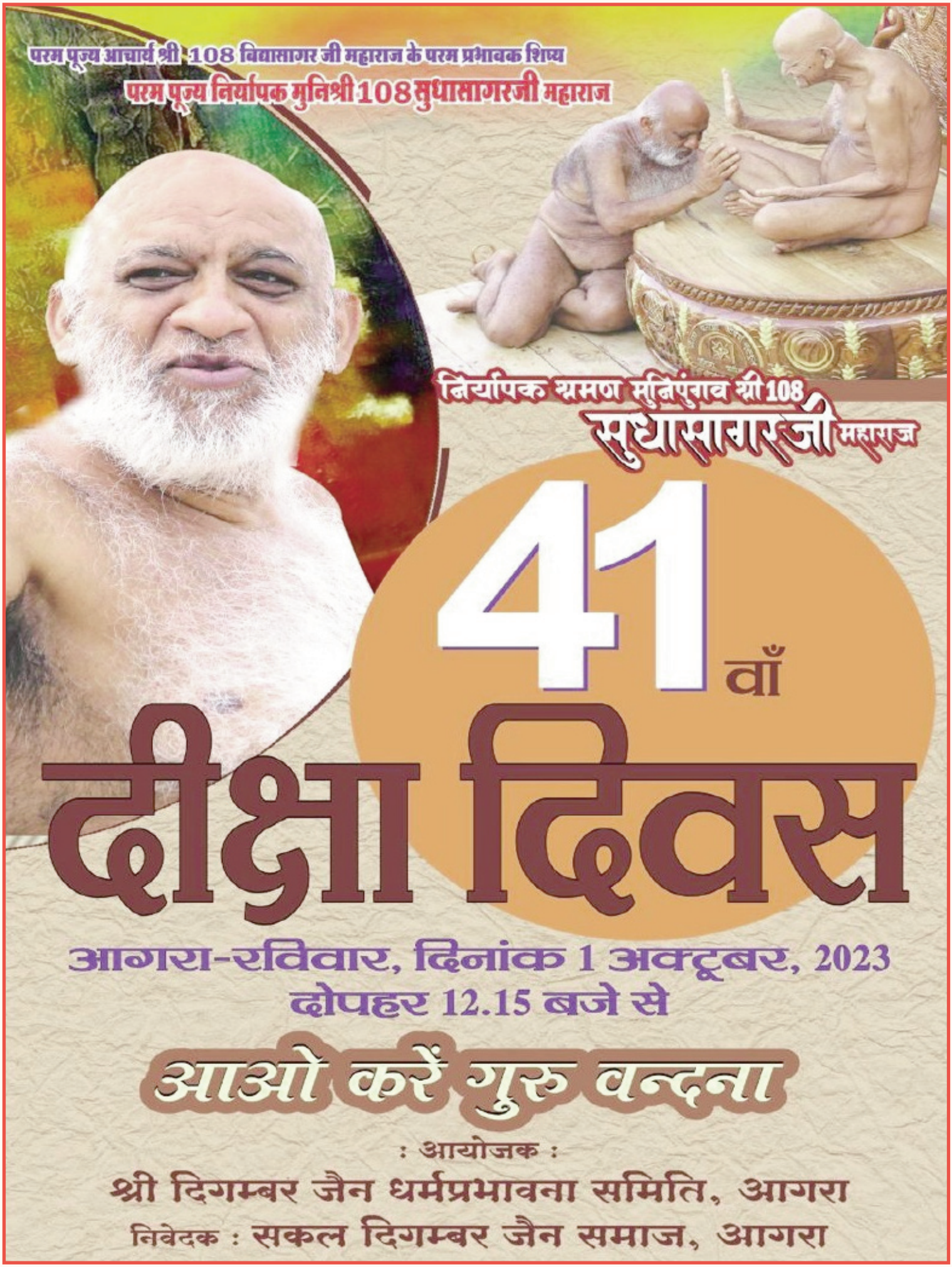
परम पूज्य आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य
परम पूज्य निर्यापक मुनिश्री 108 सुधासागरजी महाराज
निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री 108
सुधासागरजी महाराज
41 वाँ
दीक्षा दिवस
आगरा-रविवार, दिनांक 1 अक्टूबर, 2023
दोपहर 12.15 बजे से
आओ करें गुरु वन्दना
: आयोजक :
श्री दिगम्बर जैन धर्मप्रभावना समिति, आगरा
निवेदक : सकल दिगम्बर जैन समाज, आगरा

वेद ज्ञान

परहित चिंतन

यह परामर्श तेजी से लोकप्रिय हुआ कि मनुष्य अपने को देखे, अपने बारे में सोचे। ऐसा विचार कितना व्यावहारिक है, इसका आकलन करना अभी कठिन है। आज तक सभी सुखी हों जैसी कामनाएं ही सर्वश्रेष्ठ मानी जाती रही हैं। तर्क-बहस को सभ्यता की बनाई हुई परिधि से लगभग बाहर कर दिया गया है। यदि सभी आत्म केंद्रित हो जाएंगे तो मानवता कहां बचेगी समाज, समाज न रहकर लोगों का झुंड बन जाएगा। मनुष्य को जीने के लिए जिन परिस्थितियों की आवश्यकता होती है उनका निर्माण वह अकेले अपने बल पर नहीं कर सकता। उसे स्वच्छ पर्यावरण चाहिए, पौष्टिक आहार चाहिए, पारस्परिक विनिमय का सुनिश्चित तंत्र चाहिए, सुरक्षा और सुनिश्चितता चाहिए। आज मनुष्य जिस परिवेश में रह रहा है, उसे बनाने में न जाने कितने जाने, अनजाने लोगों का योगदान हो रहा है। कहीं तो पेड़ लग रहे हैं, कोई तो जल का संरक्षण कर रहा है, सच के लिए कोई तो चल रहा है। यदि हमारे लिए कोई कहीं सोच न रहा हो, तो शायद रात जागते हुए गुजरे। अपने तक ही सीमित हो जाना, उस प्रक्रिया में अवरोध उत्पन्न करता है, जो सर्वहित में चल रही होती है। मनुष्य लेना बहुत कुछ चाहता है, किंतु देना कुछ नहीं चाहता। यह एक तरह की अकर्मण्यता भी है। इसी कारण आज समस्याओं के अंबार लग गए हैं। यह समझना होगा कि मनुष्य वास्तव में वह भौतिक स्वरूप नहीं है, जो दिख रहा है। मनुष्य एक अंतर्चेतना है, जो उसके भौतिक स्वरूप को सजीव और गतिशील कर रही है। उसकी अंतर्चेतना एक व्यापक चेतना का अंग है, जो सभी जीवों में अपना अंश समाहित करती है। यह अदृश्य संबंध ही सर्वहित का आधार है। इस संबंध को निभाना अधिक महत्वपूर्ण है। दूसरे की खुशी में खुश होना, दूसरे के दुख को अपना दुख समझना अंतर्चेतना के संबंध को दृढ़ करता है। जब आत्ममुग्धता से बाहर निकलकर मन में दूसरों के प्रति शुभ विचार उत्पन्न होते हैं, तो परोक्ष रूप से अपने कल्याण का ही चिंतन होता है। मनुष्य के निजी सुख और दुख समाज के सुख-दुख की स्थितियों का ही हिस्सा हैं। भारतीय धर्म-दर्शन में आत्महित के साथ परहित चिंतन पर जोर दिया गया है।

संपादकीय

भारत के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है जी20

उम्मीद के मुताबिक जी20 के शिखर सम्मेलन में जिन बातों पर सहमति बनी है, उन्हें विश्व को बेहतर बनाने के प्रयासों का एक अहम हिस्सा कहा जा सकता है। इस ऐतिहासिक आयोजन के दौरान जी20 के मूल मकसद और इस समूह के सदस्य देशों के बीच अनेक मुद्दों पर बनी सहमति एक बड़ी उपलब्धि है। इसमें भारत की भूमिका जिस रूप में सामने आई है, उसे दुनिया भर में इसकी मजबूत उभरती छवि के तौर पर भी देखा जा सकता है। यह भारत के प्रधानमंत्री और अमेरिकी राष्ट्रपति के बीच हुई बातचीत में कई मुद्दों पर साथ देने के मामले में भी सामने आया। खासकर नई दिल्ली घोषणापत्र पर सभी सदस्य देशों के बीच बनी सहमति में एक नई विश्व-दृष्टि की झलक मिलती है। खुद प्रधानमंत्री ने इस घोषणापत्र के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि इसके साथ ही एक इतिहास रचा गया है; हम सर्वसम्मति और मनोभाव के साथ एकजुट होकर बेहतर, अधिक समृद्ध और समन्वित भविष्य के लिए सहयोग के साथ काम करने का संकल्प लेते हैं। निश्चित रूप से इस शिखर सम्मेलन में सद्भावना और औपचारिक प्रक्रियाओं के बीच यह एक महत्त्वपूर्ण घटनाक्रम है। दरअसल, नई दिल्ली घोषणापत्र जिन बिंदुओं पर केंद्रित है, उन्हें विश्व भर में समावेशी विकास और लोकतंत्र को मजबूत करने के लिहाज से अहम माना जा रहा है। इसके मुख्य केंद्रीय मुद्दों में मजबूत, दीर्घकालिक, संतुलित और समावेशी विकास के साथ-साथ सतत विकास लक्ष्यों पर आगे बढ़ने में तेजी, दीर्घकालिक भविष्य के लिए हरित विकास समझौता, इक्कीसवीं सदी के लिए बहुपक्षीय संस्थाओं और बहुपक्षवाद को पुनर्जीवित करना आदि शामिल हैं। जाहिर है, आर्थिक सहयोग पर आधारित विकास के लिए काम कर रहे जी20 का नई दिल्ली घोषणापत्र भी इसके घोषित लक्ष्यों के अनुरूप है। इस आयोजन में यह भी उम्मीद थी कि सदस्य देशों के बीच रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर भी एक स्पष्ट राय सामने आएगी। इस मसले पर समूह के बाली में हुए पिछले शिखर सम्मेलन के रुख को ही दोहराया गया कि सभी देशों को किसी भी अन्य देश की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता या राजनीतिक स्वतंत्रता के खिलाफ क्षेत्रीय अधिग्रहण की धमकी या बल के उपयोग से बचना चाहिए। साथ ही परमाणु हथियारों का उपयोग या इसकी धमकी अस्वीकार्य है। इसके अलावा, सभी नेताओं ने आतंकवाद को अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक बताया। जाहिर है, मौजूदा विश्व में गंभीर चुनौतियों को संबोधित करते हुए सम्मेलन में फिर से व्यापक महत्त्व के मुद्दों पर साथ काम करने को लेकर सहमति बनी है। जी20 सम्मेलन से इतर भारत के लिए यह मौका कूटनीतिक तौर पर एक अतिरिक्त अवसर था, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति और हमारे प्रधानमंत्री के बीच सीधी बातचीत को एक अहम पक्ष के रूप में दर्ज किया जा सकता है। इसमें दोनों देशों ने विश्व कल्याण, रक्षा साझेदारी को मजबूत करने समेत कई मुद्दों पर साथ काम करने का संकल्प लिया। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

भ्रष्टाचार पर सियासत

जब भी किसी अनियमितता के मामले में किसी बड़े पदाधिकारी या नेता के खिलाफ कार्रवाई होती है, तो भरोसा बनता है कि इससे भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी। मगर पिछले कुछ वर्षों से भ्रष्टाचार के मामलों में राजनेताओं की गिरफ्तारियों को प्रायः सियासी रंग दे दिया जाता है। पक्ष और विपक्ष के दल परस्पर बंटे नजर आते हैं। जाहिर है, इससे भ्रष्टाचार को लेकर आम लोगों में भ्रम फैलता है और इस तरह इसके खिलाफ कोई भरोसेमंद लड़ाई आगे नहीं बढ़ पाती। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और तेलुगु देशम पार्टी के प्रमुख चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी को लेकर भी ऐसा ही माहौल बन गया है। विपक्षी पार्टियां सत्तारूढ़ दल पर बदले की भावना से काम करने का आरोप लगा रही हैं। तेलुगु देशम पार्टी के कार्यकर्ता इसके विरोध में आंदोलन पर उतर आए हैं। गौरतलब है कि चंद्रबाबू नायडू को कौशल विकास घोटाले के आरोप में वहां की सीआइडी की आर्थिक अपराध शाखा ने गिरफ्तार किया है। आरोप है कि करीब सात साल पहले चंद्रबाबू नायडू ने मुख्यमंत्री रहते बेरोजगार युवाओं में कौशल विकास के लिए एक योजना शुरू की थी, जिसके लिए तीन हजार तीन सौ करोड़ रुपए की परियोजना तैयार की गई। यह काम एक निजी कंपनी को दिया गया, जिसे इसमें पैसे लगाने थे और कुल लागत का केवल दस फीसद राज्य सरकार को खर्च करना था। मगर कंपनी ने पैसे नहीं लगाए और सरकार ने फर्जी कंपनियों को करीब ढाई सौ करोड़ रुपए दे दिए। हालांकि करीब दो साल पहले सीबीआइ ने इस मामले की जांच की थी, जिसमें पच्चीस लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। उसमें चंद्रबाबू नायडू का नाम नहीं था। मगर इस साल मार्च में इस मामले की जांच सीआइडी को सौंप दी गई। उसने अपनी छानबीन में पाया कि इसमें गंभीर अनियमितताएं हुई हैं और उनमें खुद चंद्रबाबू नायडू शामिल हैं। उसने चंद्रबाबू के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली। चूंकि सीआइडी राज्य सरकार के अधीन काम करती है, इसलिए विपक्षी दलों के लिए यह आरोप लगाना आसान हो गया है कि उसने राज्य सरकार के इशारे पर यह कार्रवाई की है। पिछले कुछ समय से चंद्रबाबू नायडू जगनमोहन रेड्डी सरकार के खिलाफ आक्रामक विरोध कर रहे थे, इसलिए यह भी कहा जा रहा है कि इसका बदला लेने की नीयत से राज्य सरकार ने यह कदम उठाया है। इस तरह कौशल विकास घोटाला भी राजनीति की भेंट चढ़ता नजर आने लगा है। यह पहला मामला नहीं है, जब भ्रष्टाचार के खिलाफ हुई किसी कार्रवाई को सत्तापक्ष की बदले की भावना से की गई कार्रवाई बता कर हकीकत पर परदा डालने का प्रयास किया जा रहा है। दिल्ली में शराब घोटाले, महाराष्ट्र में भूमि खरीद घोटाला, पश्चिम बंगाल में शिक्षक भर्ती घोटाला आदि में हुई राजनेताओं की गिरफ्तारियों और सीबीआइ, प्रवर्तन निदेशालय आदि जांच एजंसियों की अनेक नेताओं से पूछताछ को लेकर भी इसी तरह की सियासी सरगर्मी दिखती रही है। हालांकि इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि सरकारें जांच एजंसियों का अपने सियासी नफे-नुकसान की दृष्टि से दुरुपयोग करती रही हैं। बहुत सारे मामलों में यह स्पष्ट भी है। मगर हर मामले को सियासी कदम कह कर खारिज कर देने से लोगों में भ्रष्टाचार उन्मूलन को लेकर भरोसा कमजोर होता है। जब तक ऐसे मामलों को राजनीतिक चश्मे से देखने की प्रवृत्ति बंद नहीं होगी, तब तक सचमुच भ्रष्टाचार को खत्म करने का मकसद पूरा नहीं होगा।

कमर दर्द, सर्वाइकल और देशी चारपाई का संबंध जानें...

हमारे पूर्वज वैज्ञानिक थे। सोने के लिए खाट हमारे पूर्वजों की सर्वोत्तम खोज है। हमारे पूर्वजों क्या लकड़ी को चीरना नहीं जानते थे ? वे भी लकड़ी चीरकर उसकी पट्टियाँ बनाकर डबल बेड बना सकते थे। डबल बेड बनाना कोई रॉकेट साइंस नहीं है। लकड़ी की पट्टियों में कीलें ही ठोंकनी होती हैं। चारपाई भी भले कोई साइंस नहीं है , लेकिन एक समझदारी है कि कैसे शरीर को अधिक आराम मिल सके। चारपाई बनाना एक कला है। उसे रस्सी से बुनना पड़ता है और उसमें दिमाग और श्रम लगता है। जब हम सोते हैं , तब सिर और पांव के मुकाबले पेट को अधिक खून की जरूरत होती है ; क्योंकि रात हो या दोपहर में लोग अक्सर खाने के बाद ही सोते हैं। पेट को पाचनक्रिया के लिए अधिक खून की जरूरत होती है। इसलिए सोते समय चारपाई की झोली ही इस स्वास्थ का लाभ पहुंचा सकती है। दुनिया में जितनी भी आरामदायक कुर्सियां देख लें , सभी में चारपाई की तरह झोली बनाई जाती है। बच्चों का पुराना पालना सिर्फ कपडे की झोली का था , लकडी का सपाट बनाकर उसे भी बिगाड़ दिया गया है। चारपाई पर सोने से कमर और पीठ का दर्द का दर्द कभी नही होता है। दर्द होने पर चारपाई पर सोने की सलाह दी जाती है। डबलबेड के नीचे अंधेरा होता है, उसमें रोग के कीटाणु पनपते हैं , वजन में भारी होता है तो रोज-रोज सफाई नहीं हो सकती। चारपाई को रोज सुबह खड़ा कर दिया जाता है और सफाई भी हो जाती है, सूरज का प्रकाश बहुत बढ़िया कीटनाशक है। खटिया को धूप में रखने से खटमल इत्यादि भी नहीं लगते हैं। अगर किसी कोई डॉक्टर Bed Rest लिख देता है तो दो तीन दिन में उसको English Bed पर लेटने से Bed -Soar शुरू हो जाता है। भारतीय चारपाई ऐसे मरीजों के बहुत काम की होती है। चारपाई पर Bed Soar नहीं होता क्योकि इसमें से हवा आर पार होती रहती है। गर्मियों में इंग्लिश Bed गर्म हो जाता है इसलिए AC की अधिक जरुरत पड़ती है जबकि सनातन चारपाई पर नीचे से हवा लगने के कारण गर्मी बहुत कम लगती है। बान की चारपाई पर सोने से सारी रात Automatically सारे शारीर का Acupressure होता रहता है। गर्मी में छत पर चारपाई डालकर सोने का आनद ही और है। ताज़ी हवा , बदलता मौसम , तारों की छाव ,चन्द्रमा की शीतलता जीवन में उमंग भर देती है । हर घर में एक स्वदेशी बान की बुनी हुई (प्लास्टिक की नहीं) चारपाई होनी चाहिए। भारतीय पूर्वजों की सोच और समझ को मेरा सैल्यूट हैं।

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय
आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान
विधानसभा,जयपुर।
9828011871

गुणगान से मनाया गया मोहनलाल जी म.सा. 37 वां पुण्य स्मृति समारोह अहिंसा भवन में

यथा नाम यथा गुणो के भंडार थे मेवाड़ केसरी मोहनमुनि जी महाराज : साध्वी प्रितीसुधा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

यथा नाम यथा गुणों के भंडार थें मेवाड़ केसरी मोहनमुनि जी महाराज रविवार को अहिंसा भवन शास्त्री नगर मे मेवाड़ केसरी प्रवर्तक मोहनलाल जी म.सा.के 37 वे पुण्य स्मृति समारोह मे महासती प्रितीसुधा ने गुणगान करतें हुए कहा कि सेवा और त्याग की प्रतिमूर्ति मोहनलाल जी महाराज अच्छे प्रवचनकार के साथ एक तेजस्वी विद्वान आज्ञाकारी संत रतन एवं गुण रत्नों की खान दिव्य आत्मा थें शाहपुरा के समीप आटोली में ब्राह्मण कुल में जन्म लिया और बाल अवस्था में गुरु भूरालाल जी महाराज साहब से मांडलगढ़ मे संयम लेकर जैन धर्म की सम्पूर्ण मेवाड़ मे अलख जगाते हुए धर्म से विमूख हो चुके प्राणीयों को धर्म की राह दिखाई। गुरूदेव मानवता के मसीहा और अहिंसा के पूजारी थें। आपका व्यक्तित्व ऐसा निराला था कि जो आपके एकबार दर्शन और मांगलिक सुन लेते वो अपने सारे दुखः दर्द भूल जाया करतें थे। छोटिसी मे अवस्था मे आपने 17 शास्त्रों को कंठस्थ याद कर लिये थे। इतने विद्वान होने बावजूद भी मेवाड़ केसरी मे तनिक अभिमान और घमंड नही था। आपने गोकूल चन्द जी महाराज की ज्वर और बिमार अवस्था मे जो मोहन मुनि ने सेवा की वह देखने लायक थी एक बेटा भी अपने मां और बाप की सेवा नहीं कर पाता है। उससे कही अधिक आपने गोकुल चन्द महाराज की सेवा की। साध्वी संयम सुधा ने कहा कि मेवाड़ केसरी का जीवन बेमिसाल था। उन्होने भगवान महावीर स्वामी के अहिंसा के सदेंश को जन जन पहुंचाया था। इसदौरान अहिंसा भवन के मुख्य मार्ग दर्शक अशोक पोखरना, अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह बाबेल, हेमन्त आंचलिया, रिखबचंद पीपाड़ा, एवं भूपेन्द्र सिंह पंगारिया, मुकेश डांगी सुरेंद्र सिंह चौधरी तथा महिला मंडल की अध्यक्षा नीता बाबेल, संजूलता बाबेल, मंजू बापना आदि ने सभी के स्मृति समारोह मे मेवाड़ केसरी को श्रध्दां सुमन अप्रित करते हुए कहा की गुरूदेव मोहनलाल जी म.सा.के उपकारों को समाज का कोई भी व्यक्ति भूला नहीं पाएगा । गुरूदेव एक अवतारी आत्मा थे।

भामाशाह सम्मान समारोह में 142 भामाशाहों को किया सम्मानित

हर विद्यालय की मैनेजमेंट एंड डेवलपमेंट कमेटी में भामाशाहों के प्रतिनिधि का होना अनिवार्य हो: शिक्षा मंत्री

जयपुर. शाबाश इंडिया। बिड़ला सभागार में सोमवार को आयोजित भामाशाह सम्मान समारोह में शिक्षा मंत्री डॉ बी.डी. कल्ला ने भामाशाहों को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनका योगदान शिक्षा विभाग की उन्नति के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। डॉ. कल्ला ने कहा कि शिक्षा विभाग भामाशाहों द्वारा प्राप्त दान का उपयोग स्कूलों के गुणात्मक सुधार और विस्तार के लिए कर रहा है । साथ ही कई योजनायें जैसे निःशुल्क शिक्षा, मिड डे मील, बाल गोपाल योजना, स्कूल ड्रेस योजना का संचालन भी सुचारु रूप से किया जा रहा है। उन्होंने निर्देश दिया कि हर विद्यालय की मैनेजमेंट एंड डेवलपमेंट कमेटी में भामाशाहों के प्रतिनिधि का होना अनिवार्य हो। उन्होंने बताया कि शिक्षा विभाग की प्रमुख योजनाओं के कारण राज्य स्कूली शिक्षा गुणवत्ता सूचकांक में अग्रणी है व गत वर्ष शिक्षा विभाग ने 6 विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं। साथ ही इंस्पायर अवार्ड में राज्य के विद्यार्थी लगातार तीन वर्ष से सम्पूर्ण देश में प्रथम आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर वर्ष शिक्षा विभाग की ओर से लगभग 400 करोड़ का व्यय शिक्षण संस्थानों की आधारभूत संरचना के लिए किया जाता है, जिसमें भामाशाहों का योगदान महत्वपूर्ण है। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को भी अपने विद्यालय के प्रति समर्पित रहने और पूर्व छात्रों को विद्यालय की प्रगति में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। इसी के साथ समारोह में शिक्षा मंत्री द्वारा राज्य स्तर पर 142 भामाशाहों को सम्मानित किया गया, जिनमें से 34 भामाशाहों को शिक्षा विभूषण तथा 108 भामाशाहों को शिक्षा भूषण सम्मान प्रदान किया गया।

राज्यपाल ने किया अमृत वाटिका का उद्घाटन

नई शिक्षा नीति पर आधारित सेमिनार में की शिरकत शैक्षिक नवाचारों को अपनाने से खुलेंगे आगे बढ़ने के रास्ते: राज्यपाल

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की अवधारणा के साथ भारतीय जनमानस की आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति है। मिश्र सोमवार को महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर में 'हमारी शिक्षा प्रणाली में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को स्वीकृत करने की संभावनाएं और चुनौतियां' विषयक राष्ट्रीय सेमिनार के समापन और अमृत वाटिका के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मिश्र ने कहा कि नई शिक्षा नीति में विद्यार्थियों की रुचि व विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसका उद्देश्य भारत को ज्ञान आधारित देश बनाना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा वही सार्थक है, जिसमें नयेपन पर जोर हो। शैक्षिक नवाचारों को जितना अपनाया जाएगा, हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के रास्ते खुलेंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्यापक दृष्टिकोण पर आधारित नीति है, जो भारत को पुनः विश्व गुरु बनने की ओर बढ़ाएगी। शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा का समावेश किया गया है। उन्होंने कहा कि आज देश तेजी से विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। भारत में विश्व को एक साथ रखकर विश्व बंधुत्व को साकार करने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा नीति के परिपेक्ष्य में समय-समय पर ऐसे आयोजन करें। मिश्र ने विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षा के साथ पारिस्थितिकी संतुलन और पर्यावरण संरक्षण विषय पर किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

युवाओं में राष्ट्र प्रेम की भावना जागृत करने के उद्देश्य से विभिन्न नवाचार किए गए: कुलपति दीक्षित

विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा युवाओं में राष्ट्र प्रेम की भावना जागृत करने की उद्देश्य से विभिन्न नवाचार किए गए हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी और कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा जल्दी ही भारत के प्रमुख व्यक्तियों के नाम से भवनों और पार्कों का नाम नामकरण किया जाएगा। इस दौरान पूर्व कुलपति डॉ. ए.के. गहलोत तथा राजस्थान राज्य उच्च शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. डी.एस. चुंडावत बतौर अतिथि मौजूद रहे। इससे पूर्व राज्यपाल ने दीप प्रज्वलन कर समापन सत्र की शुरूआत की। कुलसचिव अरुण प्रकाश शर्मा ने आगंतुकों का आभार जताया। इस दौरान बीकानेर पूर्व विधानसभा क्षेत्र विधायक सिद्धि कुमारी सहित विभिन्न प्रशासनिक अधिकारी, विश्वविद्यालय प्रबंधन बोर्ड और विद्या परिषद सदस्य, विभिन्न महाविद्यालयों के शिक्षक तथा विद्यार्थी मौजूद रहे।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा अमृत महोत्सव के तहत अमृत वाटिका तैयार की गई है तथा इसके पौधों के साथ बीकानेर संभाग के शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के शिला फलक लगाकर पौधों का नामकरण शहीदों और सेनानियों के नाम पर किया गया है। यह युवाओं के लिए प्रेरणादायक होगा। उन्होंने कहा कि मरुस्थलीय क्षेत्र में अत्यधिक गर्मी होती है। ऐसे में वन आच्छादित क्षेत्र में वृद्धि हो तो मृदा का क्षरण घटता है और भूजल स्तर सुधारने के साथ तापमान में कमी आती है। उन्होंने कहा कि इसके मद्देनजर सभी विश्वविद्यालयों को अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए निर्देशित किया गया है। मिश्र ने बीकानेर के भाईचारे, आत्मीयता और अपनत्व को विशेष बताया। साहित्य, कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में विशेष योगदान देने वाले डॉ. छगन मोहता, मोहम्मद सदीक, अजीज आजाद, राजानंद भटनागर, निमोही व्यास, रामदेव आचार्य, यादवेंद्र शर्मा चंद्र और अन्नाराम सुदामा आदि के अवदान को याद किया। उन्होंने कहा कि अल्लाह जिलाई बाई की माड गायकी, लोकनाट्य परंपरा 'रम्मत', उस्ता कला और लघु चित्र शैलियों भी विशेष पहचान रखती है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा बीकानेर की इस विरासत को युवा पीढ़ी तक पहुंचाने के प्रयास किए जाएं। इससे पहले राज्यपाल कलराज मिश्र ने विश्वविद्यालय परिसर में अमृत वाटिका का लोकार्पण किया। अमृत वाटिका में संभाग के 137 शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के नाम पर पौधों का नामकरण किया गया है। इसमें बीकानेर जिले के 22, चूरू जिले के 90, श्रीगंगानगर जिले के 12 तथा हनुमानगढ़ जिले के 13 शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के नाम सम्मिलित हैं। उद्घटान के पश्चात राज्यपाल मिश्र ने अमृत वाटिका का अवलोकन किया। उन्होंने महाराजा गंगा सिंह के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित की।

आचार्य वसुनन्दी के सानिध्य में फ़रीदाबाद में आयोजित हुआ श्रुत उपासक सम्मान समारोह

जयपुर. शाबाश इंडिया

आचार्य वसुनन्दी मुनिराज के सानिध्य में रविवार को सेक्टर दस फरीदाबाद में जैन मन्दिर प्रबंध समिति द्वारा आयोजित समारोह में अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान के प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला का सम्मान किया गया । निर्ग्रंथ ग्रंथमाला समिति नोएडा के इस वार्षिक समारोह में संस्थान के ही पंकज लुहाड़िया को श्रुत उपासक अलंकरण से सम्मानित किया गया । समारोह में मेरठ नोएडा कामा जयपुर दिल्ली आदि स्थानों से पधारे जिन तथा श्रुत भक्तजन उपस्थित थे । कार्यक्रम में आचार्य श्री ने कहा की ग्रंथ जिन शासन का प्राण है तथा इनका नियमित प्रकाशन व साज सम्भाल होना आवश्यक है ।

भगवान चंद्रप्रभु का पंचामृत अभिषेक किया, श्री जी की वृहद शांति धारा की

राजेश जैन 'अरिहंत '. शाबाश इंडिया

टोंक। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन नसिया चतुर्भुज तालाब के पास पुरानी टोंक में भादवा कृष्ण एकादशी रविवार को श्री जी का पंचामृत अभिषेक एवं भगवान चंद्रप्रभु की वृहद शांति धारा की गई। राजेश अरिहंत ने बताया कि रविवार को प्रातः क्षीरसागर से जल लाकर पंडित राजीव शास्त्री के निर्देशन में मूल नायक भगवान चंद्र प्रभु का पंचामृत अभिषेक किया गया जिसमें घी दूध दही नारियल पानी अनार रस इक्षु रस सुगंधित जल सर्वऔषधी केसर चंदन आदि से भगवान का पंचामृत अभिषेक किया गया उपस्थित श्रद्धालुओं ने भगवान के जयकारे लगाए जिससे संपूर्ण नसिया परिसर भगवान की भक्ति में सराबोर हो गया तत्पश्चात ऋद्धिमंत्रों के उच्चारण के साथ भगवान की वृहद शांतिधारा की गई शांतिधारा करने का सौभाग्य महेशचंद खुशहाल, अंकुर, प्राशु जैन चौधरी के परिवार को मिला श्रद्धालुओं ने भगवान पार्श्वनाथ भगवान चंद्रप्रभु एवं चौबीस तीर्थंकर भगवान का पूजन कर श्री जी के चरणों में अष्ट द्रव्य एवं श्रीफल समर्पित किये इस अवसर पर अशोक निर्मल सिद्धार्थ पंकज महेश चेतन छुट्टन बिट्टू अजय योगेश दिनेश मोनू जितेश आदि मौजूद थे। अजय जैन सोगानी ने बताया कि शनिवार सांयकाल नसिया परिसर में भगवान पार्श्वनाथ एवं चंद्रप्रभु की 48 दीपको से महाआरती की गई एवं णमोकार महामंत्र का संगीतमय जाप किया गया तत्पश्चात भजन संध्या का आयोजन हुआ। जिसमें अजय सोगानी, निर्मल पाटनी, वीरेंद्र जैन, अक्षत जैन आदि ने भजनों की प्रस्तुतियां दी । प्रभु की भक्ति में भजनों पर झुमते हुए महिलाओं ने भक्ति नृत्य किये। इस अवसर पर बीना मधु शेफाली पिंकी पूनम शालिनी रीटा सुनीता रेखा पायल प्रियंका संगीता रिंकू सीमा आदि ने भक्ति नृत्य किया।

परिंदों की आजादी पर विश्व व्यापी अभियान, सहयोगियों का किया सम्मान

समारोहपूर्वक मनाया बर्ड फ्रीडम डे का 10 वां स्थापना दिवस

जयपुर. शाबाश इंडिया

बर्ड फ्रीडम डे के 10वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को पिंकसिटी प्रेस क्लब में सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में पक्षियों की आजादी के अभियान में सहयोगी समाजसेवियों और पत्रकारों का शॉल, स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी एच सी गणेशिया थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्था के संस्थापक विपिन कुमार जैन ने बताया कि 10 वर्ष पहले प्रेस क्लब प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम से शुरू हुआ अभियान आज विश्व व्यापी बन चुका है। आज अभियान से जुड़कर विभिन्न देशों के नागरिक भी पक्षियों की आजादी पर कार्य कर रहे हैं। खुशी की बात है कि अभियान से प्रेरणा लेकर पिंजराबंद पक्षियों का व्यापार करने वाले अनेक व्यापारियों का भी हृदय परिवर्तन हुआ है और उन्होंने पक्षियों को आजाद कर अपना जीवन यापन का जरिया भी बदला है। कार्यक्रम में जैन ने विस्तार से संस्था के कार्यों का विस्तार से वर्णन किया। कार्यक्रम में सेवानिवृत बैंकर विद्या भूषण मल्होत्रा का विशेष सम्मान किया गया, जिन्होंने शिकागो समेत अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बर्ड फ्रीडम अभियान की आवाज बुलंद की। अभियान के अंतरराष्ट्रीय कोर्डिनेटर मल्होत्रा ने बताया कि कनाडा, ब्रिटेन शीट अन्य देशों में भी पक्षी प्रेमी इस अभियान से जुड़े हैं। वहां भी संस्था के कार्यक्रम शुरू हो रहे हैं। कर्मचारी नेता ऋतुराज शर्मा, दिल्ली से प्रेसीडेंसी स्कूल के संचालक जीएस सिंघवी और अन्य अतिथियों का भी फ्रीडम में योगदान के लिए सम्मान किया गया। संस्था की सह संस्थापिका श्रीमती रुचिका जैन ने बताया कि बर्ड फ्रीडम अभियान में दुनिया भर में 10 लाख से अधिक लोग अपनी सहभागिता निभा रहे हैं। कार्यक्रम में युवा म्यूजिक कंपोजर तुषार ने गिटार की धुन पर पिंजराबन्द मूक पक्षियों की पीड़ा पर स्वरचित रचना भी प्रस्तुत की। कार्यक्रम में कवि किशोर पारीक ने काव्य पाठ के जरिए मूक पक्षियों की पीड़ा को उजागर किया। कार्यक्रम में बर्ड फ्रीडम अभियान में विशेष योगदान के लिए वरिष्ठ पत्रकार लोकेंद्र सिंह फौजदार का भी सम्मान किया गया। समारोह में 51 सहयोगियों और मीडियाकर्मियों का सम्मान किया गया।

इको फ्रेंडली माटी के गणपति निर्माण कार्यशाला सम्पन्न

उदयपुर. शाबाश इंडिया। मार्तंड फाउंडेशन और महाराष्ट्र समाज उदयपुर द्वारा आयोजित इको फ्रेंडली माटी के गणपति बनाने की कार्यशाला रविवार को सम्पन्न हुई। इसमें पुणे से आए कलागुरु श्रीकृष्ण केशव काटे ने बड़ी सरल विधि से माटी के गणपति बनाने और प्राकृतिक रंगों से रंगने और सजाने की प्रक्रिया सिखाई। इस दौरान कलागुरु काटे ने पर्यावरण से जुड़ी कई ज्ञान की बातें भी साझा की। मार्तंड फाउंडेशन की किरण जानवे ने बताया कि सबने अपने हाथ से निर्मित सुन्दर गणपति के सृजन का आनंद उठाया। महाराष्ट्र समाज के सचिव उल्हास नेवे ने बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य आगामी 19 सितम्बर को श्री गणेशोत्सव के प्रारंभ होने पर घर गली मोहल्ले में ईको फ्रेंडली गणपति पूजन प्रयोजनार्थ स्थापित करने और अनंत चतुर्दशी पर विसर्जन करने की परम्परा से युवापीढी और बच्चों को जोड़े रखने तथा श्रीगणेशोत्सव की पवित्रता की जागरूकता पैदा करना था।

रिपोर्ट/फोटो: योवंत माहेश्वरी

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

जैन सोशल ग्रुप महानगर द्वारा भव्य प्रभु भक्ति का आयोजन

जग्गा की बावड़ी में की शांति विधान मंडल पूजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप महानगर द्वारा श्री दिगंबर जैन मंदिर जग्गा की बावड़ी, जामडोली में प्रभु भक्ति का शानदार संगीतमय शांति विधान पूजन 120 अर्घ विधानाचार्य पंडित प्रदुम्न शास्त्री के निर्देशन में भगवान शांतिनाथ को चढ़ाये गये। भक्ति में सराबोर पूर्व अध्यक्ष प्रदीप जैन, सी एस जैन , वीरेंद्र जैन, रवि जैन, दीपेश छाबड़ा के साथ संयोजक व सभी पूजार्थी रंगमा- रंगमा, जैन धर्म के हीरे मोती, पंछिडा- पंछिड़ा के भजनों पर थिरकने को मजबूर हुये। अध्यक्ष संजय छाबड़ा व सचिव सुनील जैन गंगवाल ने बताया कि कार्यक्रम के पुण्यार्जक व संयोजक डॉ राजीव-अंजू जैन, महेंद्र-उर्मिल बक्शी, सुनील तनु जैन, सुरेंद्र सरिता पाटनी, महावीर सुनीता कसेरा थे। भगवान की आराधना के साथ ग्रुप के सदस्यों ने यहां के मंदिर जी में चांदी का अभिषेक पात्र व 21 पूजाझथाली सेट भी भेंट करने की भावना बनाकर अपनी चंचला लक्ष्मी का सदुपयोग किया।

जैन जागृति बालक मंडल के बच्चों के द्वारा जिन प्रतिमाओं का किया मार्जन

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे में आर्यिका श्रुतमति माताजी, आर्यिका सुबोध मति माताजी ससंघ धर्म की भव्य प्रभावना बढ़ा रही है। जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू ने अवगत कराया कि आज आर्यिका ससंघ के पावन सानिध्य में फागी में संचालित जैन धर्म रक्षक पाठशाला के बच्चों की प्रेरणा से फागी के प्राचीन जिनालय श्री चंद्रप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर नसियां में जैन जागृति बालक मंडल के बच्चों द्वारा जिनालय की समस्त वेदियों को13- 14 साल के बालकों के द्वारा साफ किया गया बाद में सभी जिन प्रतिमाओं का मार्जन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक निखिल लावा ने बताया कि इन किशोर बच्चों का यह पहला कार्य है, ओर बताया कि आगामी दस लक्षण प्रारंभ होने से पहले इन बच्चों का अगला उद्देश्य फागी के सभी सातों जिनालियों में पांच-पांच केसरिया अथवा एक एक पचरंगी ध्वज लगाकर धर्म की प्रवाहना बढ़ाना है। इस कार्य में आर्यन जैन कठमाना, अनव जैन गिंदोडी, आदित्य जैन कलवाड़ा, अनंत जैन टीबा, आर्जव जैन नला, अतिशय जैन मोदी, आदिश जैन एवं जैन जागृति बालिका मंडल से अधरवी जैन पीपलू, आर्ची जैन मोदी, नव्या जैन डेठानी मोक्षी जैन बावड़ी सहित सभी बच्चे बच्चियां शामिल थे।इस कार्य से समाज के सोहनलाल झंडा, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा, फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा, चातुर्मास समिति के अध्यक्ष अनिल कठमाना, विनोद कलवाडा, सुरेंद्र बावड़ी, मितेश लदाना, कमलेश चौधरी, त्रिलोक पीपलू तथा राजाबाबू गोधा सहित सभी पदाधिकारियों ने बच्चों की धार्मिक भावनाओं से प्रभावित होकर धार्मिक गतिविधियों में आगे बढ़ने हेतु मनोबल बढ़ाते हुए धन्यवाद दिया।

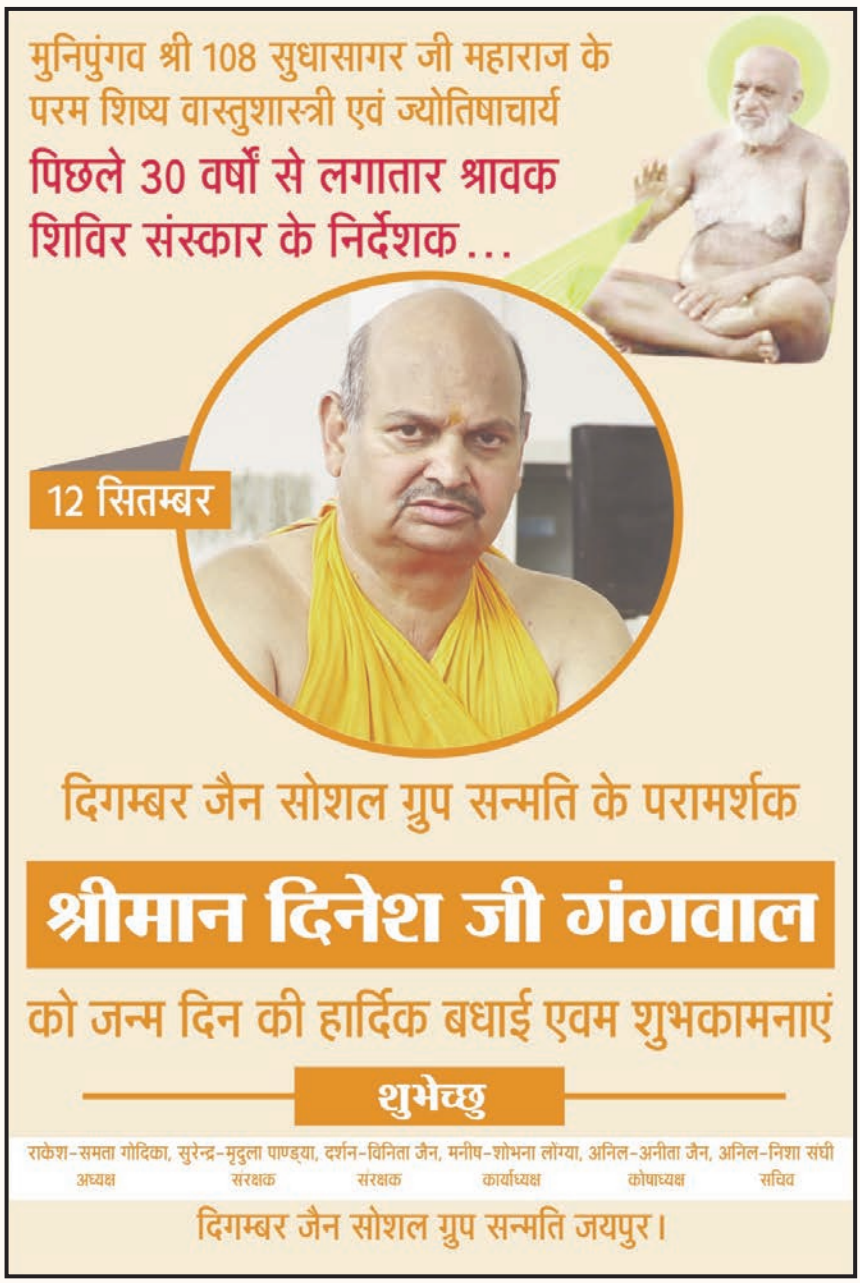

150वीं वर्णी जन्म जयंती महामहोत्सव का शंखनाद, हंसेरा ग्राम से

सागर से 600 लोग पहुंचे वर्णी जी की जन्मस्थली, शिलान्यास कार्यक्रम में

मनीष विद्यार्थी. शाबाश इंडिया

सागर। परम पूज्य क्षुल्लक गणेश प्रसाद जी महाराज की कर्म स्थली सागर की वर्णी संस्थान विकास सभा के तत्वावधान में वर्णी जी की जन्म स्थली हँसेरा (मड़वरा) जिला ललितपुर उ.प्र. में स्टेचू वेदिका शिलान्यास के पावन अवसर पर वर्णी भवन मोराजी से, 25 तूफान गाड़ी से 600 से ज्यादा लोग पहुंचें। आध्यात्मिक संत, प्रवचनकार, टीकाकार, समाज सुधारक, देश भक्त, शिक्षाविद् जैन शिक्षा के प्रचार- प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले अनेक शिक्षण संस्थाओं के संस्थापक परम उपकारी संत पूज्य गणेश जी महाराज की 150 वीं जन्म जयंती वर्ष के अवसर पर ,जन्म स्थली पर अपार जन समूह के बीच मंत्र उच्चारण पूर्वक स्टेचू वेदिका शिलान्यास की समस्त मांगलिक क्रियाएं वर्णी संस्थान सभा के विशिष्ट संरक्षक प्रतिष्ठाचार्य पं. ज्ञानचंद जी प्राचार्य जी पं. विजय कुमार जी शास्त्री, पं. देवेंद्र कुमार जी शास्त्री सौंरई, प्रतिष्ठाचार्य पं. जीवंधर जी शास्त्री अध्यक्ष प्रतिष्ठाचार्य पं. हरिश्चंद्र जी शास्त्री प्रतिष्ठाचार्य आनंद जी शास्त्री पं. अभिषेक जी शास्त्री द्वारा संपन्न कराई गई। वेदिका की प्रथम शिला रखने का सौभाग्य संतोष कुमार जी पटना छोटी शिला पं. श्री आनंद कुमार जी शास्त्री, पं. श्री विजय कुमार जी शास्त्री, श्रीमती सपना राजेश बड़ा बाजार, श्रीमती आरती विनोद दिवाकर एवं श्री पदमचंद झीली वालों को प्राप्त हुआ। मोरा जी सागर में विराजमान पूज्य आर्यिका मां सौम्यनंदिनी जी की प्रेरणा से सागर से विशाल जन समूह मदनपुर, गिरारगिरी, हँसेरा तथा मड़ावरा की यात्रा पर पहुंचा वर्णी जी के वैराग्य निमित्त मड़ावरा मंदिर के दर्शनों का सौभाग्य भी प्राप्त किया तथा विद्या वाटिका मडावरा में विराजमान आर्यिका श्री धारणा मति माता जी ससंघ का भी आशीर्वाद प्राप्त किया। वर्णी जी के कुटुंब जनों से भी भेंट की। सागर के अलावा साडूमल विद्यालय छात्र एवं शिक्षक ,बंडा, मड़ावरा,सौंरई ,सेसई ,बरायठा, दलपतपुर, शाहगढ़ आदि से श्रद्धालु जन शामिल हुए।कार्यक्रम में ग्रामीणों के बीच धर्म की अपूर्व प्रभावना हुई और सभी ने अपनी सहभागिता दी। छोटे से ग्राम जहां के पूज्य गणेश प्रसाद वर्णी जी देशभर में धर्म प्रभावना की इस जानकारी से ग्रामीणों को अवगत कराया जिसे सुनकर सभी आश्चर्य एवं प्रसन्न चित हुए और ग्रामवासी भंडारा में शामिल हुऐ।कार्यक्रम में मुख्य रूप से महामंत्री डॉ. क्रांत कुमार जी सराफ अध्यक्ष ,संतोष कुमार जी पटना , मंत्री श्री मुकेश जी, मड़ावरा वर्णी विद्यालय के अध्यक्ष डॉ. शिखरचंद जी सिलोनिया श्री कंछेदी लालजी ट्रस्टी श्री वर्धमान कुमार जी श्री कमल कुमार जी प्रबंधक श्री राजेश कुमार जी मंत्री श्री दीपक कुमार जी कोषाध्यक्ष श्री राजेंद्र कुमार जी साडूमल संस्कृत महाविद्यालय के प्राचार्य श्री संतोष कुमार जी शास्त्री, श्री मानक चौक वाले, श्री प्रदीप जी सेमरा, वर्णी संस्थान विकास सभा के कार्य अध्यक्ष श्री संजय कुमार जी ढाना, श्री विमल जी शास्त्री पाटन, उपाध्यक्ष श्री सुरेश जी शास्त्री केवलारी, श्री करोड़ी लाल जी शास्त्री बंडा, सनत कुमार जी बंडा, अशोक जी रजपुरा, श्री राजेंद्र जी दलपतपुर, श्री सुनील जी केवलारी श्री विनोद जी सौंरई,श्री चंद्रेश जी शास्त्री ग्वालियर श्री दुलीचंद जी सिमरिया श्री सुनील कुमार जी दलपतपुर मनीष जी विद्यार्थी सागर ,श्री त्रिलोक जी मड़ावरा, सपना राकेश बड़ा बाजार श्रीमती आरती विनोद दिवाकर श्री पदम चंद जी झीली वाले आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशेष करने वाले ग्रामवासी परिवार सोन सिंहटी ,सुमेर ठाकुर ,श्रीमती रानी छत्रपाल सिंह जी प्रधान ग्राम पंचायत हँसेरा, एवं श्री पटेरिया जी परिवार को सम्मानित किया गया। धर्म प्रभावना यात्रा का गिरारगिरी तीर्थ क्षेत्र की कमेटी, श्री मदनगढ़ तीर्थ क्षेत्र की कमेटी तथा मड़ावरा जैन समाज की कमेटी एवं ग्रामवासी हंसेरा द्वारा सभी का स्वागत किया गया।

उपनिदेशक ने किया कार्यभार ग्रहण

जयपुर. शाबाश इंडिया। आयुष भवन आयुर्वेद विभाग जयपुर जिला ब जोन में उपनिदेशक पद पर डॉ कैलाश चन्द्र शर्मा ने आज कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर पूर्व उप निदेशक डॉ निरंजन पारीक , सहायक निदेशक डॉ अंशुमान चतुर्वेदी, डॉ पीयूष त्रिवेदी वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदेश चिकित्साधिकारी संघ, भरत सिंह बांगड, महेश चन्द, रजनीश शर्मा, शान्तनु सोनी इत्यादि उपस्थित रहे।

गुणी व्यक्ति ही गुणियों के गुणगान करता है : आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

बड़ोत। जो दिख रहा है वह सत्य हो यह जरूरी नहीं है। और जो नहीं दिख रहा है वह भी ना हो यह आवश्यक नहीं है। सुगंध होती है पर दिखती नहीं, आत्मा होती है पर दिखती नहीं। हमारे पूर्वज दिखाई नहीं दे रहे पर वह थे। यह उद्गार सोमवार को आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ने श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर कैनाल रोड बड़ोत में धर्म सभा में प्रवचन देते हुए व्यक्त किये। आचार्य श्री ने आगे कहा कि साधक जितना परिचय बढ़ाएगा वह उतना साधना से पतित होता चला जाएगा। अंतमुर्खी दृष्टि ही श्रेष्ठ है। जब जब हम बाहय में प्रवृत्ति करते हैं तब तब चित्त अशांत होता है और जो समीचीन विचारशील होता है वह विकास प्राप्त करता है विचारों की पवित्रता के अभाव में विनाश ही होता है। विचारों से ही व्यक्ति महान बनता है, विचार ही हमें विकास की राह दिखाते हैं। विचार हमारी संस्कृति के परिचायक होते हैं। सर्वथा निमित्तों को दोष नहीं देना चाहिए। निमित्त तो सर्वत्र हैं। पर मानव निमितों के अनुसार विचारों से प्रभावित होता है, निमित्तों के पास व्यक्ति स्वयं पहुंचता है और विचारों के अनुसार साधन एकत्रित करता है। अपने विचारों को संभालो निमित्त कुछ नहीं कर पाएंगे। गुणी ही गुणवानों की महिमा गाते हैं अतः गुणग्राही बनो। जैसी तुम्हारी दृष्टि होगी वैसी ही तुम्हें सृष्टि दिखाई देगी। परिणाम की विशुद्धी बढ़ाओ और अशुद्धि के कारण हटाओ। हमेशा ऐसे कार्य करो जिससे विशुद्धि बड़े और ऐसे कार्य मत करो जिससे विशुद्धि घटे और अपयश मिले। दृष्टि पवित्र करो। उपादान सशक्त होता है और निमित्त तटस्थ होता है पर पर से प्रभावित मत होना, माया छोड़ो महात्मा बनो यश चाहिए तो साधुओं की सेवा करो, धनवान बनना है तो स्वयं के द्रव्य का दान करो,स्वस्थ रहना है तो शाकाहारी भोजन करो और कर्मक्षय करना है तो तप करो और मुक्ति प्राप्त करना है तो निरग्रंथ तपस्वी बनो। प्रारंभ में आचार्य श्री विराग सागर जी महाराज के चित्र का अनावरण एवं चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन और आचार्य श्री के पाद प्रक्षालन करने का सौभाग्य धर्म सभा में उपस्थित इंदौर के वरिष्ठ समाजसेवी आजाद कुमार बीडी वाले, डॉक्टर जैनेंद्र जैन, पंडित विजय कुमार शास्त्री मुंबई ने किया। धर्म सभा का संचालन पंडित श्रेयांश प्रसाद जैन ने किया।

आदिनाथ भवन मानसरोवर में हुआ औषधालय का भव्य लोकार्पण

जयपुर. शाबाश इंडिया

मीरा मार्ग स्थित श्री आदिनाथ भवन में विराजित पूज्य त्रय मुनिराजो के सानिध्य में श्री आदिनाथ दिगंबर जैन समिति द्वारा संचालित श्री फतेहलाल जैन धर्मार्थ आयुर्वेदिक औषधालय का भव्य लोकार्पण हजारों लोगों के सानिध्य में संपन्न हुआ। इसका लोकार्पण पुण्यार्जक परिवार धर्म श्रैष्टि इंद्र कुमार महेश कुमार अशोक कुमार राजेंद्र कुमार (अशोका इलेक्ट्रिक एंड लाइट्स) द्वारा श्री फतेहलाल जी एवं श्रीमती रतन देवी जैन की पुण्य स्मृति में किया। समिति के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया ने बताया कि औषधालय के लोकार्पण के अलावा मीरा मार्ग जैन समाज के गौरव प्राचार्य शीतल चंद पर लिखे जाने वाले श्रुतावेशी की विवरणिका का भी विमोचन हुआ। समिति के मंत्री राजेंद्र कुमार सेठी ने बताया कि इस शुभ अवसर पर कई गणमान्य विद्वान व अनेक संस्थाओं के प्रतिनिधि पधारे। समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बेनाडा व सांस्कृतिक मंत्री जम्बू सोगाणी ने सभी पधारे हुए गणमान्य अतिथियों का सम्मान किया। समिति के संयुक्त मंत्री मनोज जैन ने बताया कि इस अवसर पर अनेक धार्मिक बंधुओ ने औषधालय के लिए मासिक व वार्षिक रूप से औषध दान देने की घोषणा की। समिति के अध्यक्ष ने सभी दानदाताओं का आभार प्रकट किया। दिनांक 13 अक्टूबर से 21 अक्टूबर तक आदिनाथ भवन में होने जा रहे सर्वतोभद्र महामंडल विधान के पोस्टर का विमोचन भी किया गया। पोस्टर के विमोचन में कार्यकारिणी के सदस्यों के अलावा महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती सुशीला रावंका और मंत्री श्रीमती रश्मि सांगानेरिया भी उपस्थित रहे। मंत्री राजेंद्र सेठी बताया कि इस विधान में बैठने वालों के लिए 2100 जोड़े की व 1100 एकल व्यक्ति की सहयोग राशि रखी गई है। यह राशि पूजन व्यवस्था में एवं भोजन व्यवस्था में सहयोग स्वरूप ली जा रही है। इस विधान में बैठने वाले सभी प्रमुख पात्रों को चांदी के सेट में पूजा करने का अवसर मिलेगा। विधान में बैठने वाले सभी के लिए वात्सल्य भोज की व्यवस्था रहेगी। सभी मंदिरों में शीघ्र कूपन भिजवा दिए जाएंगे जो कोई भी विधान में बैठना चाहता है अपना स्थान शीघ्र ही सुरक्षित कर लें।

मंगलवार से पर्वाधिराज पयूर्षण महापर्व मे जिनवाणी की बहेगी गंगा साहूकार पेठ में

णमोकार महामंत्र में सम्पूर्ण ब्रम्हांड के देवों का समावेश समाया हुआ है : महासती धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। सब मंत्रों का मंत्र है णमोकार महामंत्र। सोमवार साहूकार पेठ जैन भवन में महासती धर्मप्रभा ने महामंत्र नवकार की महिमा का बखान करतें हुए श्रावक श्राविकाओं को बताया कि सम्पूर्ण संसार में एक ऐसा इकलौता मंत्र है जिसमें किसी भगवान का नाम नहीं पर दुनिया में ऐसी कोई ईश्वरीय शक्ति भी शेष नहीं जो इसमें न आई हो।णमोकार मंत्र में सम्पूर्ण ब्रम्हांड के देवों का समावेश समाया हुआ है।हर धर्म के-हर व्यक्ति का मंत्र है। इस धरती पर आज तक किसी में भी यह हिम्मत नहीं कि वह महामंत्र में भेद कर सके,क्योंकि यह अभेद्य और अचूक मंत्र है।इस सम्पूर्ण मंत्र मे कही पर भी बीजाक्षर नहीं आते है। यह दुनिया वह महामंत्र है जिसमें कोई भी कामना नहीं केवल सद्भावना छिपी हुई है।नवकार सर्वश्रेष्ठ और साध्विक तथा अष्ट सिध्दी का दाता है,णमोकार मंत्र। जो मनुष्य श्रध्दां और भक्ति के साथ महामंत्र का जाप करता है रिध्दी सिध्दी के साथ उसके जीवन की समस्याएं संकट एवं बांधाऐ दूर हो जाती है और आत्मा शुध्द और पवित्र बना देता है। महा मंत्र कभी किसी का अहित नहीं करता हैं बल्कि जीवन में प्रगति के मार्ग ओर लेकर जाता है। साहूकार पेठ श्री संघ के कार्याध्य महावीर चन्द सिसोदिया ने बताया इसदौरान धर्मसभा अनेक क्षैत्रो पधारे स्वाध्यायी भाईयो का श्री एस.एस.जैन संघ के अध्यक्ष एम.अजितराज कोठारी, सुरेश डूगरवाल,बादल चन्द कोठारी, सुभाष कांकलिया शम्भूसिंह कावड़िया दरड़ा,भरत नाहर, संजय खाबिया आदि पदाधिकारियों ने स्वागत किया। तथा मंगलवार से प्रांरभ होने वाले अष्ट दिवसीय पर्वाधिराज पयूर्षण महापर्व मे सभी श्रध्दांलूओ से अधिक से अधिक संख्या मे जीनवाणी श्रवण एवं धार्मिक कार्यक्रमो मे भाग लेने का आह्वान करतें हुए पयूर्षण पर्व मे रात्रि भोजन जिमीकंद तथा धर्म साधना के साथ पयूर्षण मनाने का संकल्प लिए। पयूर्षण में चौविहार करने वाले सभी श्रध्दांलूओ की व्यवस्था साहूकार पेट में रखी गई है।

जन जागृति दुपहिया वाहन रैली से दिया आत्म हत्या मुक्त का देश-विदेश का संदेश

जयपुर. शाबाश इंडिया। देशभर में आए दिन हो रही आत्म हत्या को रोकने के लिए अखिल भारतीय साधुमार्गी शांत क्रान्ति जैन श्रावक संघ के तत्वावधान में जैनाचार्य श्री विजय राज जी महाराज साहब की प्रेरणास्वरूप गत एक वर्ष में हजारों व्यक्तियों से आत्महत्या नहीं करने के संकल्प पत्र भरवाए गए। इसी कड़ी में जयपुर के साथ देश के 50 से अधिक स्थानों पर जन जागृति दुपहिया वाहन रैली व पैदल रैली निकाली गइ। इधर जयपुर में यह रैली शहीद स्मारक से निकाली गई। रैली के माध्यम से आमजन को आत्म हत्या मुक्त हो देश-विदेश का संदेश दिया गया। संरक्षक प्रदीप गूगलिया व अध्यक्ष महेश दस्सानी ने बताया कि आत्म हत्या रोक दिवस पर शहीद स्मारक से निकली इस रैली को राजस्थान सरकार के केबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में करीब 500 लोग शामिल हुए। रैली में लोग स्लोगन लिखी तख्तियों के माध्यम से आमजन को अगर जीवन से नफरत हो जाए तो आत्म हत्या ना करिए,बल्कि अपने जीवन जीने का तरीका बदलिएएआत्म हत्या मुक्त हो देश विदेश...जैसे संदेशो से आमजन को जागरूक कर रहते हुए चल रहे थे। रैली संयोजक कमल संचेती व महामंत्री नवीन लोढ़ा ने बताया कि रैली शहीद स्मारक से प्रारंभ हुई जो एमआई रोड,चैड़ा रास्ता,बड़ी चोपड़, जौहरी बाजार, मोती डूंगरी रोड,गणेश जी , मंदिर बिड़ला मंदिर होती हुई नवकार भवन तिलक नगर पर आकर संपन्न हुई। **आत्म हत्या किसी समस्या का समाधान नहीं: साध्वी नेहाश्री:** तिलक नगर,सूर्य मार्ग स्थित नवकार भवन में हुई सभा को संबोधित करते हुए साध्वी नेहाश्री ने कहा कि आत्म हत्या किसी समस्या का समाधान नहीं है,जो बुजदिल होते हैंएवहीं आत्महत्या का मार्ग चुनते हैं। मगर जो धैर्य लेकर जीवन जीते हैंएवे सदा मुस्कराते है। उन्होंने तनाव को आत्महत्या का प्रमुख कारण बताते हुए कहा कि तनाव से बचने के लिए अपने मन पर मजबूत बनाकर अपने अंदर से नकारात्मक एनर्जी निकालकर अपनी सोच व विश्वास को मजबूत बनाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि बच्चे हमारे देश का भविष्य हैएउनसे हमें बहुत उम्मीद है। इसलिए उनको धर्म के संस्कार देना चाहिए। सभा में समाज कल्याण बोर्ड की चैयरमेन डॉ.अर्चना शर्मा ने कहा कि बच्चों को शिक्षा व अंकों के लिए ज्यादा दबाव ना डाले। माता-पिता बच्चों के साथ मित्रवत व्यवहार करे और हरपल चैकस रहे। इस मौके पर राजस्थान विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अनिल मेहता ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में वर्तमान में अभिभावकों की अति महत्वाकांक्षा के कारण बच्चे ज्यादा तनाव झेल रहे हैं। इसलिए बच्चों को शिक्षा को लेकर ज्यादा तनाव में ना दे और बच्चों को प्रतिस्पर्धा के साथ नहीं बल्कि स्वच्छता व स्वतंत्रता के साथ जीवन जीने की प्रेरणा दें। इस मौके पर संस्थापक अध्यक्ष गौतम चोरडिया सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

''संगिनी मैन उदयपुर ने किया विद्यार्थियों में स्कूल बेग का वितरण''

उदयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप संगिनी मैन उदयपुर द्वारा सेवा कार्य की कड़ी में थियोसोफिकल सोसायटी के विद्यार्थियों को स्कूल बेग वितरित किए गए। ग्रुप अध्यक्ष डॉ प्रमिला जैन ने बताया कि जब ग्रुप सदस्य श्रीमती पुष्पलता को पता चला कि वहां के बच्चों को बेग की आवश्यकता है उन्होंने स्वयं की ओर से तुरंत बेग की व्यवस्था कर दी। इस नेक सेवा कार्य में डॉ प्रमिला जैन, पुष्पलता दुग्गड़, ललिता सियाल एवं रोशन लाल साहब दुग्गड़ ने उपस्थित रह कर सहयोग प्रदान किया।

निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज...

छोटे बड़ो से पूछकर कार्य करे तो छोटो की शक्ति बढ़ती है और बड़े छोटो से पूछकर काम करे तो दोनो की शक्ति घटती है और सबसे ज्यादा शक्ति घटती है छोटों की

हर व्यक्ति को अपने आपको इस संसार मे मूर्ख, अज्ञानी मानना चाहिए क्योंकि संसार मे रहने वाला व्यक्ति कोई भी इतना ज्ञानी हो ही नही सकता कि उसे हमेशा सत्य का ही ज्ञान होगा। हम मुनियों से कहा कि अपने आपको पूर्ण जानकर मत मानना कि मेरे से गलती हो ही नही सकती। जिस दिन बड़े आदमी तुमसे क्षमा माँग ले उससे बड़ा दुर्भाग्य तुम्हारा हो ही नही सकता।

आगरा. शाबाश इंडिया

आगरा के हरीपर्वत स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के अमृत सुधा सभागार में निर्यापक श्रमण मुनिपुगंव श्री सुधासागर जी महाराज ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि जो कुछ दुनिया में अच्छा लगता है वह अच्छा ही होगा उसका परिणाम अच्छा होगा कुछ निश्चित नही है। जो कार्य जो कार्य हमे बुरे लगते है,उनका फल बुरा ही होगा ये कोई निश्चित नही है। कितनी बाते है जो हमे अच्छी लगती है लेकिन बाद में जाकर वो बड़ी कष्टदायी हो जाती है,हमे पछताना पड़ता है, प्रतिक्रमण करना पड़ता है। वह प्रतिक्रमण जो करना पड़ता है वही हमारी सबसे बड़ी भूल हुई है कि हम कंही न कंही सत्य को पहचानने में चूक गए तो दुनिया में इसलिए गार्जियन की जरूरत पड़ती है। इसलिए आवश्यकता पड़ती है माँ की क्योंकि बेटे को जो कुछ अच्छा लग रहा है वो बेटा नही जान सकता है कि वह अच्छा ही है। हर व्यक्ति को अपने आपको इस संसार मे मूर्ख, अज्ञानी मानना चाहिए क्योंकि संसार मे रहने वाला व्यक्ति कोई भी इतना ज्ञानी हो ही नही सकता कि उसे हमेशा सत्य का ही ज्ञान होगा। हम मुनियों से कहा कि अपने आपको पूर्ण जानकर मत मानना कि मेरे से गलती हो ही नही सकती। जिस दिन बड़े आदमी तुमसे क्षमा माँग ले उससे बड़ा दुर्भाग्य तुम्हारा हो ही नही सकता। बेटा नाराज न हो जाये गर मैं ये बोली ले लूँ तो यदि किसी पिता के मन मे भाव रहा है तो मैं बेटो से कहना चाहता हूँ तुम्हारी जिंदगी में सबसे बड़ा दुर्भाग्य का बीजोरोपण हो गया। जितना पुण्य था सब भस्म हो गया क्योंकि उनके मन मे भय आ गया बेटे का भाई का। आपके घर मे कोई भी कार्य करने से पहले बड़े लोग पूछते है तो आपको कैसा लगता है, अच्छा लगता है तो आपका विनाश निश्चित है, महानुभाव इसको सौभाग्य नही दुर्भाग्य समझना। ये बताओ लड़की वाला बड़ा होता है या लड़की वाला बड़ा होता है तो पूर्वजो ने कहा कि जो कन्या तुम्हारे घर मे वधु बनेगी जो कन्या इस घर के लिए कुलदीपक देगी, तुम्हारी गृहस्थी को आगे बढ़ाएगी कितने ही बड़े तुम क्यों न हो, जहाँ तुम्हे कन्या पसंद है वहाँ खुद जाकर के लेके आओ वो नही आएगी। सम्मान के साथ लेके आओ जिससे तुम्हारी कुल परम्परा चलना है, अहंकार मत करो। ये परम्परा इतनी अच्छी परम्परा थी और ये आजकल परम्परा इतनी गन्दी परम्परा हो गयी कि आज लड़के वाले अपने नगर में, घर में बुलावाकर के विवाह आदि करते है। देने वाले में भी कन्या का अपमान है। जो दरवाजे आकर लेके जाएगा, उसी को कन्या देना, ये बेटी का विवाह है और जाकर उसे सौप देना ये भार है सौभाग्य नही, निपट गयी चलो ले जाओ,ऐसे नही दिया जाता। आज भी अच्छे जो घर है, नही हम बेटी को लेने आएंगे, चाहती तो राजुल नेमिनाथ के लिए द्वारिका जा सकती थी लेकिन नही नेमिनाथ को भी द्वारिका जाना पड़ा। बहुओ सुनो यदि तुम्हारी सासु तुमसे डरती है,तुमसे पूछे बिना कुछ कर तो लेवे। यदि ये अहंकार तुम्हे आ रहा है तो समझ लेना तुम्हे नीच गोत्र का बन्ध हो रहा है, तुम संसार के सबसे निकृष्ट स्थान पर जन्म लेयोगी क्योंकि तुमने बड़ो के द्वारा सम्मान पाने की बात सोची थी। छोटे बड़ो से पूछकर कार्य करे तो छोटो की शक्ति बढ़ती है और बड़े छोटो से पूछकर काम करे तो दोनो की शक्ति घटती है और सबसे ज्यादा घटती है छोटो की। भिखारी भूख मिटाने के लिए भोजन मांगने जाता है और साधु मुनिव्रत पालन करने के लिए आहार करने जाता है रत्नत्रय पालन करने के लिए जाता है। तुमने चौका लगाया है, महाराज के आहार हो या न हो लेकिन तुम्हारे खाते में महाराज को आहार कराने का पुण्य मिलेगा, मिलेगा। तुम्हे हताश होने की जरूरत नही है। धर्मसभा से पूर्व मनीष जैन गुजरात परिवार द्वारा मुनिश्री का पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट किया,साथ ही संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्वलन कियो इसके बाद महिलाओं ने मंगलाचरण की प्रस्तुति दी। इस दौरान आगरा दिगंबर जैन परिषद,श्री दिगंबर जैन धर्म प्रभावना समिति एवं श्री दिगंबर जैन शिक्षा समिति के पदाधिकारियों ने मुनिश्री के चरणों में श्रीफल भेंटकर आशीर्वाद प्राप्त कियो धर्मसभा का संचालन मनोज जैन बाकलीवाल ने कियो धर्मसभा में प्रदीप जैन पीएनसी निर्मल मोठ्या,जितेन्द्र जैन,दिलीप जैन,मनोज बाकलीवाल,नीरज जैन जिनवाणी, पंकज जैन सीटीवी,चक्रेश जैन, पन्नालाल बैनाड़ा,हीरालाल बैनाड़ा जगदीश प्रसाद जैन,राजेश जैन सेठी, शुभम जैन मीडिया प्रभारी, राजेश सेठी शैलेन्द्र जैन,राहुल जैन, विवेक बैनाड़ा, ललित जैन,अमित जैन बॉबी,अनिल जैन शास्त्री,रूपेश जैन,केके जैन, सचिन जैन,अंकेश जैन,समकित जैन समस्त सकल जैन समाज आगरा के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

शुभम जैन
मीडिया प्रभारी

पंचतीर्थ दर्शन कर लौटा 62 सदस्यीय जैन सोशल ग्रुप दल

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर । श्री दिगंबर जैन सोशल ग्रुप का 62 सदस्यीय दल अपनी दो दिवसीय जैन यात्रा सकुशल सम्पन्न कर सोमवार को सवेरे 4 बजे अजमेर लौट गया। इस दौरान सिरोही स्थित पंच तीर्थ - अभिनव महावीर धाम सुमेरपुर, जिरावला पार्श्वनाथ, भैंरू तारक, पावापुरी व स्वर्ण मंदिर फालना के दर्शन किये। यात्रा के सह संयोजक संजय - अनिता सोनी ने बताया कि यात्रा के अंतिम पड़ाव पर जंवाई बांध के सेणा गांव में लेपर्ड (तेंदुआ) सफारी का भी लुत्फ उठाया। सेणा गॉव में हाल ही के वर्षा में चट्टानी भू-भाग पर जीप सफारी का आरम्भ हुआ है। स्थानीय नागरिक हूपेन्द्र व अक्षय बताते हैं कि यहॉ 6 लेपर्ड है। जवॉई बांध के पानी के इर्दगिर्द पसरे जंगल व चट्टानी भूभाग पर सफारी का आयोजन हो रहा है, जहॉ 60-70 जीपों का संचालन होता है। सफारी का आनन्द लेकर लौटे ज्योति बैद, इंदू जैन, अनिश जैन, बिमल गट्टी, प्रमोद सोगानी, शैलेन्द्र जैन, विनय गदिया, अनिल दोषी आदि बताया कि चट्टानी भूभाग पर जीपों का टेढ़ी मेढ़ी होकर चलना लेपर्ड सफारी को और रोमांचित बना दिया। संजीव जैन, अमन पाटनी, कृतिक जैन, मेघा जैन, साक्षी सालगिया, अलका जैन आदि के बिल्कुल बगल से लेपर्ड गुजरा तो खुशी, डर, रोमांच के मिलेजुले भावों से तरंगित हो उठे। ऑखे भय और रोमांच से चमक उठी। ग्रुप के अध्यक्ष सुनिल दोषी व अमित बैद ने बताया कि सफारी के दौरान चट्टानी टेकरी पर सभी के लिए सूर्यास्त से पूर्व सामुहिक भोज की भी व्यवस्था की गई जो कि सभी को खूब पंसद आई। इससे पूर्व पहले दिन दल ने बर स्थित गढ़गिरवर पर जलपान के साथ फोटोग्राफी,

अभिनव महावीर धाम स्थित दीर्घाओं में जैन दर्शन से रूबरू, 30 फीट उॅची, विशाल व भव्य कलात्मक प्रतिमा तथा भैरू तारक में पहाड़ की तलहटी में स्थित भगवान पार्श्वनाथ की मनोज्ञ प्रतिमा के दर्शन किये। सांयकालीन आरती जिरावला में की गई। दूसरे दिन जीव मैत्री धाम पावापुरी में गायों की सेवा-पानी में करीब ढेड घंटा बिताया। नरेश गंगवाल ने यहॉ पार्श्वनाथ जिनालय में अपने भजनों की सरिता से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। फालना स्थित स्वर्ण जिनालय भी सभी को खूब भाया। यहॉ रत्न जड़ित भगवान पार्श्वनाथ की बहुत ही मनोहारी प्रतिमा है। शाम सभी की लेपर्ड सफारी पर बीती। ट्रीप को सआनन्द सम्पन्न कराने में अंकुर बड़जात्या, अशोक गदिया, सुनिल काला, विनय बाकलीवाल, राजकुमार पाटौदी, गणपत जैन, अनिल गंगवाल, अनिल सालगिया, मनिष जैन, सुरेन्द्र सेठी, राकेश अजमेरा, सोनू जैन, अजय जैन, अनिल पाटनी आदि का सहयोग रहा। ट्रीप के सआनन्द सम्पन्न होने पर ग्रुप अध्यक्ष सुनील दोषी ने सभी का आभार जताया।

सेवा करने वालों को जगत में सम्मान की दृष्टि से देखा जाता हैं : आचार्यश्री आर्जव सागर जी

लोक कल्याण महा मंडल में बेठने वाले श्रावक सम्मानित होंगे : विजय धुर्रा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

सेवा करने की भावना बनाये रखने के लिए लोग तत्पर रहते हैं सेवा एक बहुत बड़ा गुण है सेवा करने वालों को जगत में सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है संत सेवा तो सर्वश्रेष्ठ है ही आज सोचते हैं अमुक व्यक्ति कुछ दिन पहले तो साधारण जीवन भी नहीं जी पा रहा था आज विधायक मंत्री के पद को सुशोभित कर रहा है ये कैसे हो गया तो पूर्व जन्म में आपने कभी संत जनों श्रेष्ठ जनों की सेवा की होगी उसका फल मिला और आप अचानक ही पद प्रतिष्ठा के साथ धन धान्य से परिपूर्ण हो जाते हैं इससे अलावा दीन-दुखी रोगी और पशुओं की सेवा करना भी पुण्य का कार्य है जव भी आपको सेवा का मौका मिले तो पीछे नहीं रहता उत्साह से आगे बढ़ कर संत सेवा और भी जो योग्य हो उनकी सेवा कर लेना उक्त आश्य केउद्गार सुभाष गंज मैदान में धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्रीआर्जवसागर जीमहाराज ने व्यक्त किए ।

लोक कल्याण विधान के तपस्वी का होगा बहुमान

मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि आचार्य श्री आर्जवसागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में चल रहे लोक कल्याण महा मंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ में जो श्रावक श्राविकाएं तपस्या कर रहे हैं उपवास एक आसान एक समय पानी लेकर व अन्य तपस्या कर रहे हैं उन्हें श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी द्वारा सम्मानित किया जाएगा इस हेतु अपनी तपस्या का विवरण कमेटी के महामंत्री राकेश अमरोद व प्रमोद मंगलदीप को नाम लिखा दे इस विधान में बहुत सारे लोग तप आराधना कर रहे ऐसी आराधना महान पुण्य का वंध कराती है सम्मान समारोह युवा वर्ग संरक्षण शैलेन्द्र श्रागर ने सौधर्म इन्द्र वनने का सौभाग्य प्रमोद कुमार प्रसुन कुमार मंगलदीप एवं श्रावक श्रेष्ठी संजू जैन मिर्ची का सम्मान कमेटी के अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा संयोजक उमेश सिघई मनीष सिघई संजय के टी दारा किया गया

गिरने वाले ही जीवन में संभवते है

आचार्य श्री ने कहा कि क्षमा करके देखना क्षमा करके आगे बढ़ते हैं गिर कर ही उड़ते हैं गिरने वाले ही जीवन में संभवते है हम भी महान वन सकतें हैं पथ पर पड़ी मिट्टी भी कलश वन कर मानव मस्तिष्क पर सुशोभित होती है गलती करते करते

मानव निखर कर हीरे की तरह चमक जाता है खदान में मिट्टी कंकरों के वीच पड़े हीरा के एक एक पहलू को सभारा तरासा जाता है तव वह चमते हुए हीरा वन राज मुकुट की शोभा बढ़ाते हैं संतान सुख के लिए हमेशा तैयार रहने वाले धर्म की वृद्धि होने दो आप लोगों को अच्छे अचार विचार को बढ़ाना है सहयोगी वने विषय भोग सच्चा सुख नहीं है एक दूसरे के सहयोगी वनों सहन शील वने क्रोध को पीना सीखें कटुक वचन मत वोल मधुर वचन जग में सुखी वनाने वाले हैं गुरु वास को वासुरी वनाने वाले हैं।

ज्योतिषाचार्य अभिमन्यु पाराशर नारायण सामाजिक पुरस्कार से सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान के सेलिब्रेटेड पत्रकार रामानंद शर्मा के सुपुत्र युवा पत्रकार ज्योतिषाचार्य अभिमन्यु पाराशर नारायण के राजस्थान की राजधानी जयपुर में सामाजिक पुरुष्कार नारायण सोशल अवार्ड 2023 से सम्मानित हुए। राजस्थान की राजधानी जयपुर में श्री नारायण मानव सेवा समिति जयपुर की ओर से होटल सरोवर प्राइमयर मे श्नारायण सोशल अवार्ड 2023 का आयोजन किया गया। जिसमें शिमला (खेतड़ी) वासी युवा पत्रकार ज्योतिषाचार्य अभिमन्यू पाराशर को ज्योतिष /समाजसेवा के पुनरूत्थान मे उनकी विद्वतापूर्ण उपलब्धि एवं योगदान करने पर समारोह के मुख्य अतिथि जयपुर सांसद रामचरण बोहरा, कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि अंतरराष्ट्रीय वर्ल्ड महिला बॉडी चैंपियन प्रिया सिंह , डी. आई. नीलू गोठवाल, फोर्टि के अध्यक्ष डॉ अरुण अग्रवाल, अंतर्राष्ट्रीय मूंछ राहुल शंकर थानवी, स्वामी जनक राज व समिति के संस्थापक चंद्रमोहन चहेता, बबीता शर्मा, मुकेश अग्रवाल आदि ने संयुक्त रूप से गोल्ड मेडल,प्रशस्ति पत्र, श्रीफल,मोमेंटो ह्य नारायण सोशल अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर कई ज्योतिष,साहित्यकार, लेखक वह सामाजिक हस्तियां भी शामिल हुईं।

तपाचार्य अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी ने कहा...

जो अपनी वीणा को पहचान लेते है, उनका जीवन संगीत है, और जो इसे नही जानते उनका जीवन सिरदर्द है

ऊदगाव. शाबाश इंडिया। भारत गौरव साधना महोदधि सिंहनिष्क्रिड़ित व्रत कर्ता अन्तर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज एवं सौम्यमूर्ति उपाध्याय 108 श्री पीयूष सागर जी महाराज ससंघ का महाराष्ट्र के ऊदगाव मे 2023 का ऐतिहासिक चौमासा चल रहा है इस दौरान भक्त को प्रवचन में कहाँ कि जो अपनी वीणा को पहचान लेते है, उनका जीवन संगीत है, और जो इसे नही जानते उनका जीवन सिरदर्द है । तपाचार्य अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी ने अपनी जीवन वीणा को न केवल जाना पहचाना है अपितु उनकी जीवन वीणा से निःश्रृत अमृत मयी मधुर वचनों से आज की इस लस्ट पस्त और अस्त-व्यस्त जिंदगी को एक एक सीख दी कि, ''जिद्दी मत बनिये, जिंदादिल बनिये'' रोबिले मत बनिये, रसीले बनिये । जिदा दिल और रसीले बनने के लिये हमारे जैसे विचार होते हैं, वैसी हमारी प्रवृति होती है। जैसी प्रवृत्ति होती है, वैसा हमारा व्यवहार होता है और जैसा हमारा व्यवहार होता है वैसा हमारा जीवन बनता है। इसलिये बेहतर साबित करने से कोई लाभ नही, लेकिन बेहतर बनने की कोशिश जरूर कीजिये अन्तर्मना ने कहा-बेहतर बनने के लिये में परेशानिया आयेंगी असफलता भी हाथ लगेगी। उस समय प्रतिकूलताओं से घबराओ मत, प्रतिकूलता को अनुकूलताओं में परिवर्तित करो और इसके बात जीवन में कैसी भी विषमता क्यों न आये हताशा को अपने चित्र पर हावी न होने दो और और यदि हम यह अपने जीवन में घटीत कर सके तो तो मनुष्य के विश्वास और पुरुषार्थ और अपने धर्म और कर्म से अपने हाथों की लकीरों को परिवर्तित कर सकता है।

संकलन : पीयूष कासलीवाल नरेंद्र अजमेरा

अयुद्ध के युवाओं ने हाईवे के पास 40000 सीडबॉल फैलाए

फिरोजाबाद. शाबाश इंडिया

माता अमृतानंदमयी मठ की युवा शाखा अयुद्ध के युवाओं और श्री माता अमृतानंदमयी देवी (अम्मा) के अनुयायियों ने साथ मिलकर 40000 सीडबॉल फैलाए। यह सीडबॉल हाईवे के पास नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया की ग्रीन बेल्ट में फैलाए गए। साथ ही 45000 सीडबॉल वन विभाग को सौंपे गए, जो इनका उपयोग राजमार्गों के आसपास हरित क्षेत्र में पेड़ उगाने के लिए करेंगे। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में भारत वन सेवा और शहरी पर्यावरण, जीएमडीए और एफएमडीए के सीईओ सुभाष यादव मौजूद रहे। इनके अलावा अयुद्ध के नेशनल कॉर्डिनेटर स्वामी मोक्षामृता चैतन्य जी, रीजनल कॉर्डिनेटर स्वामी हषामृत जी, अनंत पसारी समेत अमृता अस्पताल से

वॉलंटियर, श्री माता अमृतानंदमयी देवी (अम्मा) के अनुयायियों के साथ-साथ अयुद्ध के युवा लोग भी शामिल रहे। इस साल अयुद्ध दिल्ली एनसीआर ने लगभग 1 लाख से ज्यादा सीडबॉल बनाए थे। यह चरण सीडबॉल फैलाने की श्रृंखला में आखिरी चरण होगा। इस अवसर पर सुभाष ने कहा, ''अम्मा का संगठन इतनी सारी जगहों पर बीज के गोले बिखेर कर पर्यावरण की मदद करने और जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए अद्भुत काम कर रहा है। हर छोटा प्रयास मायने रखता है। हमें प्रदूषण को कम करने और पेड़ और पानी की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाना चाहिए।'' अयुद्ध के नेशनल कॉर्डिनेटर स्वामी मोक्षामृता चैतन्य जी ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा, युवाओं को पर्यावरण के बारे में जागरुक होना बेहद आवश्यक है और इन अभियानों के द्वारा हम समाज में खासकर की युवाओं में प्रकृति के प्रति जागरुकता पैदा कर रहे हैं। साथ ही उनके मन में भी बीज बो रहे हैं, जिससे की युवा प्रकृति के प्रति संवेदनशील रहें और ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाएं। अम्मा के इस अभियान के द्वारा जितने भी सीडबॉल फैलाए जा रहे हैं, हमें उम्मीद है कि इनमें से अधिक से अधिक अंकुरित होंगे। अमृता विश्व विद्यापीठम के वैश्विक सीडबॉल अभियान ने इस साल अप्रैल में लॉन्च होने के बाद से दुनिया भर में 1.3 मिलियन से अधिक सीडबॉल का उत्पादन किया है। यह अभियान सस्टेनेबल और रेजिलिएंट कम्युनिटी (एसआरसी) - जलवायु, पर्यावरण और नेट जीरो लक्ष्य पर सी20 वर्किंग ग्रुप के बैनर तले आयोजित किया गया है। इस पहल का उद्देश्य इस वर्ष के अंत तक दस लाख से अधिक सीडबॉल का उत्पादन और वितरण करके पर्यावरणीय स्थिरता और पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली को बढ़ावा देना है। अमलतास, बेल, कनेर, कचनार आदि के बीजों से गर्मी के दिनों में अमृता अस्पताल, फरीदाबाद, श्री माता अमृतानंदमयी देवी मठ वसंत कुंज दिल्ली व अन्य स्थानों पर सीडबॉल बनाए गए थे। लगभग छः माह से अधिक चले इस अभियान में कई लाख बीज मिट्टी व खाद के पोषण मिश्रण में रखे गए। उन्हें निर्देशित ढंग से सुखाकर सरंक्षित किया गया था।

सीकरी में दशलक्षण महापर्व की तैयारियां को लेकर जैन युवा परिषद् की हुई बैठक

सीकरी. शाबाश इंडिया

जैन मंदिर में अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद् की बैठक अध्यक्ष पुष्पेन्द्र जैन की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिसमें आगामी दशलक्षण महापर्व की तैयारियां को लेकर चर्चा की गई। पुष्पेन्द्र जैन ने बताया कि जैन युवा परिषद् द्वारा आगामी 19 सितंबर से 28 सितंबर तक दशलक्षण महापर्व के उपलक्ष्य में जैन मंदिर में प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रम व प्रतियोगिता आयोजित करायी जावेगी। इसके अलावा दशलक्षण पर्व से पूर्व 14 सितंबर को प्रतिमाओं का परिमार्जन व मंदिर परिसर की साफ सफाई भी की जाएगी। इस मौके पर निखिल जैन, रिंकू जैन, अक्षत जैन, लवली जैन, रतनेश जैन, लक्ष्य जैन, संयम जैन, सम्यक जैन, मंयक जैन, अनीश जैन, विशेष जैन आदि मौजूद रहे।

वैश्य रॉयल्स ने जीता वैश्य प्रीमियर लीग का प्रथम संस्करण

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। दिनांक 10 सितंबर 2023 रविवार को वैश्य प्रीमियर लीग के प्रथम संस्करण का फाइनल मुकाबला वैश्य रॉयल्स बनाम वैश्य रेबेल्स के बीच शाम 6:00 बजे हुए रंगारंग कार्यक्रम के बाद वैश्य रिबेल्स के कप्तान आशीष जैन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का चयन किया मगर कप्तान नितेश बिंदल के लगातार नियमित अन्तरकाल में किए गए बोलिंग परिवर्तन और उनकी टीम द्वारा किया गया बेहतरीन क्षेत्ररक्षण की वजह से वैश्य रॉयल्स ने अपने निर्धारित 20 ओवर में 109 बनाकर वैश्य रॉयल्स को 110 रन का टारगेट दिया, जो वैश्य रॉयल्स ने मात्र 17 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर आसानी से हासिल किया। चिराग अग्रवाल के ऑलराउंड प्रदर्शन की वजह से उन्हें मैन ऑफ द मैच और मैन ऑफ द सीरीज दोनों ट्रॉफी प्रदान की गई और 11000 रुपए का नगद पुरस्कार भी मिला। वैश्य रेबेल्स के गेंदबाज कल्पित जैन को टूर्नामेंट का बेस्ट बॉलर और वैश्य सुपर किंग्स के बल्लेबाज राहुल विजय को बेस्ट बैटर का अवार्ड और 5100 नगद पुरस्कार दिया गया। विजेता और उपविजेता की ट्रॉफी सुभाष का काबरा, नगर निगम उपमहापौर नीरज जैन, उमेश जी गर्ग, रमेश तापड़िया, प्रवीण जैन के कर कमल द्वारा प्रदान की गई। अंत मे वैश्य युवा अध्यक्ष पुष्पेंद्र पहाड़िया और उनकी टीम कमल खंडेलवाल, अनुज गांधी, साकेत काबरा,हितेश मित्तल, अभिनव बाल्दी, अंकित फतेहपुरिया, शीतल जैन, अभिनव नाहर ,नितेश बिंदल ने आखरी में सभी का धन्यवाद किया और अगले साल का टूर्नामेंट करने की घोषणा की।

तीर्थ जीर्णोद्धार कार्यक्रम की श्रृंखला में, दशलक्षण पर्व से पूर्व कार सेवा सानंद सम्पन्न

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। प्राचीन संस्थान श्री जैन वीर मंडल द्वारा 9 जुलाई 2023 को प्रारम्भ किया गया कार सेवा का कार्यक्रम पांचोता , भावता, इंदोखा, लीचाणा, खारड़िया, पदम पुरा, रसाल, लादड़िया, जिलिया, मान पूरा, अतिशय क्षेत्र हस्तेड़ा, नई नशियां को कुचामन, पांचवा , चितावा, और पांचवा ग्राम के ही दूसरे मंदिर मे आज दिनांक 10.09.2023 को कार सेवा के साथ कार्य सानंद संपन्न/समापन किया। श्री जैन वीर मंडल अध्यक्ष सोभागमल गंगवाल ने बताया की कार सेवा के कार्य में संयोजक पवन गोधा के मार्ग दर्शन में अशोक गंगवाल, सुनील पांचवा, मनीष पांचवा, निर्मल सोगानी, उम्मेद माल पहाड़िया, महावीर प्रसाद काला, कार्तिक जैन, नितेश जैन, कपूर चंद जैन, अमर चंद जैन ने सहयोग किया। श्री जैन वीर मंडल द्वारा इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों के 16 मंदिरो मे किये गये कार सेवा के लिए, पांचवा ग्राम जैन समाज के 80 वर्षीय श्री महावीर प्रसाद जी काला ने कहा की श्री जैन वीर मंडल द्वारा किये गये इस प्रशंसनीय कार्य के लिए बहुत बहुत साधुवाद तथा इससे आने वाले वर्षो मे समाज मे जागृति आयेगी एवं प्रेरणा मिलेगी। पवन गोधा- संयोजक, ने इस कार्य में सहयोग करने वाले सभी सहभागियों का आभार एवं धन्यवाद किया।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा पार्श्वनाथ विधान का भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र चुलगिरी में हुआ भक्तिमय विधान। प्रसिद्ध गायक अशोक गंगवाल, समता गोदिका, मंजू ठोलिया ने भक्ति रस में किया सरोबार...

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा रविवार, 10 सितम्बर को प्रातः पार्श्वनाथ विधान का भव्य आयोजन श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र चुलगिरी, जयपुर में किया गया। ग्रुप अध्यक्ष राकेश गोदिका के अनुसार प्रसिद्ध गायक अशोक गंगवाल, गायिका मंजू जैन तथा समता गोदिका द्वारा साजो से भक्ति पूर्वक यह विधान करवाया गया। सभी पूजन कर्ताओ ने भक्ति रस में सरोबार होकर आनंद से नृत्य के साथ विधान में अर्ध अर्पण किए। सचिव अनिल संघी ने बताया कि कार्यक्रम के लिए मनीष -शोभना लोंग्या को मुख्य समन्वयक, राजेश-रानी पाटनी व अनिल ज्योति जैन चौधरी, विनोद - शशि तिजारिया, राजेश - जैना गंगवाल तथा दिलीप - प्रमिला जैन को सयोजक बनाया गया था। मुख्य समन्वयक मनीष लोंग्या ने बताया कि प्रातः 7 बजे मूल नायक श्री पार्श्वनाथ भगवान की शांतिधारा करने का सौभाग्य ग्रुप सदस्य अशोक सेठी को उनके जन्मदिन के अवसर पर प्राप्त हुआ। ग्रुप उपाध्यक्ष राकेश - रेणु संघी व चक्रेश - पिंकी जैन के अनुसार प्रातः 10 .30 बजे से मंडल विधान गायक अशोक गंगवाल के नेतृत्व में प्रारंभ हुआ। सर्वप्रथम सोधर्म इंद्र नितिन - दीपिका जैन व नीलेश - नविता जैन द्वारा श्रीजी को भक्ति के साथ मस्तक पर लेकर पांडू शीला पर विराजमान किया गया। पांडू शीला पर विराजित श्री जी के प्रथम अभिषेक करने का सौभाग्य सुनील - रेणु बाकलीवाल को प्राप्त हुआ । चारो दिशा से चतुर्थ कलश से अभिषेक करने का पुण्य लाभ इंद्र दर्शन - विनिता बाकलीवाल, राकेश - समता गोदिका, मनीष - शोभना लोंग्या तथा अनिल निशा संघी को प्राप्त हुआ। विधान में श्रीजी की शांति धारा करने का सोभाग्य दिनेश - संगीता गंगवाल व मनन - श्रुति सोगानी को प्राप्त हुआ। ग्रुप सयुक्त सचिव राजेश - रानी पाटनी व राजेश - रितु छाबड़ा के अनुसार मंडल पर सर्वप्रथम सोधर्म इंद्र नितिन - दीपिका जैन व नीलेश - नविता जैन द्वारा स्थापना कर प्रथम अर्ध चढ़ाया गया। तत्पश्चात सभी इन्द्रो के साथ साथ विधान में बैठे हुए सभी पूजार्थियो ने क्रम से मंडल पर अर्ध चढ़ाए।

ग्रुप संरक्षक सुरेंद्र - मृदुला पांड्या व दर्शन - विनिता बाकलीवाल के अनुसार विधान में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन के अध्यक्ष राजेश - सीमा बड़जात्या, रीजन प्रभारी नवीन सेन - शशि सेन, सचिव निर्मल - सरला संघी, कार्याध्यक्ष सुरेश बांदीकुई, सुनील - सुमन बज, कोषाध्यक्ष पारस - मंजू जैन , नवाकर ग्रुप के अध्यक्ष मोहनलाल गंगवाल ने उपस्थित होकर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

ग्रुप परामर्शक दिनेश - संगीता गंगवाल ने बताया कि राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष चंद जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुकेश-संगीता सोगानी, युवा महासभा के संस्थापक अध्यक्ष ज्ञान चंद झांझरी, सौरभ सागर जी वर्षा योग समिति के कार्याध्यक्ष राजीव - सीमा गाजियाबाद, कैपिटल ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष सुधीर गंगवाल, पूर्व उपाध्यक्ष सुनील - मीना चौधरी, श्रेष्ठि विनोद छाबड़ा ''मोनू' , राजधानी ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष सुनील - आरती पहाड़िया, अध्यक्ष प्रकाश - लीला जैन, आदिनाथ मित्र मंडल के उपाध्यक्ष साकेत जैन, अनिल जैन के साथ साथ समाज के अनेक गणमान्य लोगों व ग्रुप सदस्यो के माता पिता ने विधान में सम्मिलित होकर पुण्य लाभ प्राप्त किया। ग्रुप सांस्कृतिक सचिव कमल - मंजू ठोलिया ने बताया कि पूजन विधान में बैठने वाली सभी महिला सदस्य एक सी साड़ी में समारोह की शोभा बड़ा रही थी जिसके पुण्यार्जक राजेश - रानी पाटनी, विनोद - शशि तिजारिया, दिलीप - प्रमिला जैन थे। ग्रुप अध्यक्ष राकेश - समता गोदिका ने बताया कि विधान मंडल का विसर्जन महा आरती से किया गया जिसके पुण्यार्जक अनिल - ज्योति जैन चौधरी थे। अंत में समता गोदिका ने पुण्यार्जको, रीजन पदाधिकारियों, समाज के श्रेष्ठिजनों का जिन्होंने कार्यक्रम में आकर शोभा बढ़ाई उन सभी का आभार व्यक्त किया। चुलगिरी अतिशय क्षेत्र कमेटी का सुंदर व्यवस्था उपलब्ध कराने तथा आर बड़जात्या केटर्स के राजेश बड़जत्या का स्वादिष्ट भोजन के लिए विशेष रूप से धन्यवाद ज्ञापित किया।

@...पेज 18 पर

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा पार्श्वनाथ विधान का भव्य आयोजन